संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -183 शुक्रवार ,05 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

असद के बाद दूसरा हाई प्रोफाइल एनकाउंटर

लखनऊ,04 मई 2023 (ए)। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने कुख्यात गैंगस्टर अनिल दुजाना को एक एनकाउंटर में मार गिराया है। गुरुवार को यह एनकाउंटर मेरठ जिले में हुआ। अनिल दुजाना का असली नाम अनिल नागर था। वह गौतम बुद्ध जिले के बादलपुर थाने के दुजाना गांव का रहने वाला था, इसलिए अनिल दुजाना के नाम से खौफ का दूसरा नाम बन चुका था।

कौन था गैंगस्टर अनिल दुजाना?

अनिल दुजाना एक संगठित अपराधी गिरोह का सरगना बन चुका था और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उसने अपने नाम का खौफ बना रखा था। उसपर 62 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिसमें से 18 हत्या, उगाही, डकैती, लूट, जमीन पर कब्जा और जमीन से जबरन बेदखली के मामले दर्ज थे।

नोएडा में अनिल दुजाना के सिर पर था 50,000 रुपए का इनाम

2021 के दिसंबर में अनिल दुजाना को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नोएडा से सटे मयूर विहार इलाके से गिरफ्तार किया था। बाद में वह फरार हो गया था। दुजाना के सिर पर नोएडा पुलिस ने 50,000 रुपए का इनाम रखा था और बुलंदशहर पुलिस ने 25,000 रुपए का।

यूपी के मोस्ट वांटेड अपराधियों की लिस्ट में शामिल था

वह यूपी के मोस्ट वांटेड अपराधियों की लिस्ट में शामिल था। उसके खिलाफ नेशनल सिक्योरिटी ऐक्ट और गुंडा ऐक्ट जैसे कई गंभीर धाराओं में भी केस दर्ज थे। वह साल 2012 से जेल में था, लेकिन 2021 में जमानत पर छूटा था। बाद में कई मामलों में पेश नहीं होने के बाद एक अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

एक मामले में तीन साल की सजा भी हुई थी

बादलपुर अदालत से उसे एक मामले में तीन साल की सजा भी मिल चुकी थी। दुजाना के बारे में कहा जाता है कि आपसी रंजिश और जातीय दुश्मनी और मामूल झगड़ों में शामिल होकर वह कब बड़ा अपराधी बन गया, पता ही नहीं चला।

इंदिरा गांधी को धमकी देने वाले से था क्या कनेक्शन?

सुंदर डाकू ने दी थी इंदिरा गांधी को धमकी

1970-80 के दशक की बात है। सुंदर नागर या सुंदर डाकू दहशत का दूसरा नाम बन चुका था। वह इतना दुस्साहसी हो चुका था कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक को जान से मारने की धमकी दे डाली थी।

सुंदर डाकू के गांव का रहने वाला था अनिल दुजाना

तथ्य ये है कि सुंदर डाकू भी गौतम बुद्ध नगर के बादलपुर के उसी दुजाना गांव का रहने वाला था, जहां अनिल दुजाना का घर है। यह अपनी दुश्मनी के चलते अपने बड़े भाई को पहले ही गंवा चुका था। उत्तर प्रदेश में माफिया और गैंगस्टर के खिलाफ जो कार्रवाई कर रही है, उसी की अगली कड़ी में अनिल दुजाना का नाम भी शामिल हो चुका है। इससे पहले यूपी एसटीएफ ने एक और हाई प्रोफाइल एनकाउंटर में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को झांसी में ऐसे ही एनकाउंटर में मार गिराया था।

मणिपुर हिंसा को लेकर सरकार सख्त

» उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का दिया आदेश

इंफाल,04 मई 2023 (ए)। मणिपुर में आदिवासियों के आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रदेश सरकार सख्त नजर आ रही है। बता दें कि हिंसाग्रस्त इलाको में उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। बकौल एजेंसी राज्यपाल ने उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश को मंजूरी दी है। बता दें कि हिंसा प्रभावित इलाकों में सेना और असम राइफल्स की तैनाती की गई है। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी साझा की।

अबतक 9,000 लोगों को निकाला गया

सुरक्षाबलों ने हिंसा प्रभावित इलाकों से अब तक 9,000 लोगों को सुरक्षित निकाला है। सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि अभी और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले आठ जिलों में कर्फ्यू लगाया था, जबकि पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया था।

केंद्रीय बलों को लेकर इंफाल पहुंचा विमान

भारतीय वायु सेना का एक विमान गुरुवार की शाम को केंद्रीय बलों को लेकर इंफाल पहुंचा है। इसका एक वीडियो सामने आया है। जिसमें सुरक्षाबलों को विमानों से उतरते हुए देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने की शांति की अपील

मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने सभी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ट्वीट किया, राज्य में सभी से मेरी विनम्र अपील है कि इस घड़ी में शांति और सद्भाव बनाए रखने में सरकार का सहयोग करें।

नीतीश-तेजस्वी सरकार को बड़ा झटका

» हाईकोर्ट ने जातीय जनगणना पर लगाई रोक

पटना,04 मई 2023(ए)। बिहार में जाति आधारित गणना पर रोक लग गई है। पटना हाईकोर्ट से नीतीश सरकार को बड़ा झटका लगा है। जातीय गणना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने आज अंतरिम आदेश जारी किया। पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस मधुरेश प्रसाद की पीठ ने इस मामले पर बहस पूरी होने के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया। इस केस की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी, तब तक जातिगत जनगणना पर स्टे रहेगा। हालांकि अब तक जो डेटा इकट्ठा किया गया है, उसे सुरक्षित रखा जाएगा।

बता दें कि बिहार में जाति आधारित गणना का दूसरा और आखिरी चरण चल रहा है। अब इस पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। पटना हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी कर जातिगत गणना पर स्टे लगाया है। महाधिवक्ता पीके शाही ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तक उन्होंने फैसले की पूरी कॉपी पढ़ी नहीं है। पढ़ने के बाद ही इस पर कुछ बता पाएंगे। हाईकोर्ट के खिलाफ शीर्ष अदालत में जाना है या नहीं, इसपर भी फैसला अभी नहीं लिया गया है।

वहीं, याचिकाकर्ताओं के वकील ने फैसले के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार सरकार का जातिगत गणना कराने का काम असंवैधानिक था। कोर्ट ने अबी स्टे कर दिया है। अब 3 जुलाई को विस्तार से दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी।

गैंगस्टर टिल्लू की भयावह मौत

» एक के बाद एक सूए से कई वार.

» खून से लथपथ होकर तड़पता रहा गैंगस्टर टिल्लू

नई दिल्ली ,04 मई 2023(ए)। देश की सबसे सुरक्षित जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक का एक खौफनाक वीडियो सामने आया है, जिसमें गैंगस्टर सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया को मौत के घाट उतारा जा रहा है। टिल्लू पर एक साथ 3-4 लोगों ने सूए से ताबड़तोड़ हमला किया है। टिल्लू की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम में भी खुलासा हुआ था कि टिल्लू के शरीर पर कई निशान मिले है।

महज 90 सेकेंड में उतारा मौत के घाट

टिल्लू की हत्या के बाद जेल अधिकारियों ने कहा था कि टिल्लू की हत्या सिर्फ एक से डेढ़ मिनट के भीतर की गई है। गुरुवार को जारी हुए वीडियो में भी देखा जा सकता है कि महज 90 सेकेंड में टिल्लू को मौत के घाट उतार दिया गया।

शरीर पर 90 जख्म

बता दें कि टिल्लू के शरीर पर 90 जख्मों के निशान मिले हैं। वह तिहाड़ जेल संख्या आठ-नौ के हाई रिस्क सिक्योरिटी वार्ड में बंद था। इस हाई सिक्योरिटी वार्ड में भी टिल्लू की हत्या की गई, जिसके बाद कई जेल अधिकारियों पर कई सवाल उठ रहे हैं।

ग्राउंड फ्लोर पर बंद था टिल्लू

तिहाड़ जेल संख्या आठ-नौ के हाई रिस्क सिक्योरिटी वार्ड में बंद था। तिहाड़ परिसर की यह एकमात्र ऐसी जेल है, जिसकी इमारत दो मंजिला है। बता दें कि इस जेल के भूतल पर ही टिल्लू का वार्ड था। वहीं, इसके ठीक ऊपर स्थित वार्ड में दूसरे आरोपित बंद थे।

मनीष सिसोदिया के खिलाफ ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर

» 2000 पन्नों के आरोप पत्र में पूर्व डिप्टी सीएम का नाम

नईदिल्ली,04 मई 2023 (ए)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफईडी ने 2000 पन्नों की चार्जशीट दायर की है। ईडी ने मनीष सिसोदिया के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई भी चार्ज शीट दायर कर चुकी है।मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए कोर्ट के दरवाजे भी खटखटाए थे, लेकिन उन्हें जमानत नहीं मिली थी। सिसोदिया फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। इससे पहले मनीष सिसोदिया ने अपनी पत्नी के खराब स्वास्थ्य के चलते अंतरिम जमानत की भी मांग की थी। इस मामले को लेकर कोर्ट ने ईडी से जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई 11 मई को होगी। सिसोदिया की जमानत याचिका को निचली अदालत ने 28 अप्रैल को खारिज कर दिया था।

बिहार के 31 नगर निकायों में चुनाव 9 जून को

» 11 को मतगणना; पहली बार जनता सीधे चुनेगी महापौर-उप महापौर

पटना,04 मई 2023 (ए)। राज्य निर्वाचन आयोग ने बिहार के 31 नगर निकायों में नौ जून को मतदान कराने की तिथि की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही चुनावावाले क्षेत्रों आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

राज्य के 31 नामांकन नौ मई से लेकर 17 मई तक संपन्न होगा। नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 18 से लेकर 20 मई तक, नाम वापसी की अंतिम तिथि 21 मई से 23 मई तक है।

चुनाव चिह्न का आवंटन 24 मई को, मतदान की तिथि नौ जून 2023 है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक कराया जाएगा। 11 जून की सुबह आठ बजे से मतों की गिनती होगी। इसी के साथ चुनाव वाले क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

राज्य के 31 जिलों में नगर निगम के दो, नगर परिषद के 18, नगर पंचायत के 11 यानी कुल 31 नगर निकायों क्षेत्र में चुनाव संपन्न होंगे। आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को सूचित कर दिया है।

राज्य के जिन नगर निकायों में मतदान कराया जाना है, उसमें 24 नगर निकायों का कार्यकाल काफी पहले समाप्त हो चुका है। शेष सात नगर निकाय ऐसे हैं, जिनके जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है।अहम यह है कि पहली बार इन नगर निकायों की जनता सीधे महापौर और उप महापौर चुनेगी। पहले केवल वार्ड सदस्य को चुनती थी।

आयोग के अनुसार, पटना जिले में नगर परिषद मनेर, बक्सर में नगर परिषद डुमरांव व नगर पंचायत ईटाढ़ी, रोहतास में नगर परिषद बिक्रमगंज (कार्यकाल जून 2023), औरंगाबाद में नगर परिषद दाउदनगर (कार्यकाल जून 2023), वैशाली में नगर परिषद महनार (कार्यकाल जून 2023) नालंदा में नगर परिषद राजगीर व नगर परिषद ईसलामपुर, नवादा में नगर परिषद हिसुआ, गोपालगंज में नगर पंचायत हथुआ, मुजफ्फरपुर में नगर परिषद काटी व नगर परिषद मोतीपुर, पूर्वी चंपारण में नगर परिषद केसरिया (कार्यकाल जून 2023) व नगर परिषद ढाका (कार्यकाल जून 2023), पश्चिम चंपारण में नगरपंचायत मच्छरगांवा (योगापट्टी), शिवहर में नगर परिषद शिवहर, सीतामढ़ी में नगर पंचायत सुरसंड (कार्यकाल जून 2023), दरभंगा में नगर परिषद जाले, नगर पंचायत घनश्यामपुर, नगर पंचायत बिरौल और नगर पंचायत कमतौल अहियारी मधुबनी में नगर निगम मधुबनी व नगर परिषद झंझारपुर, सहरसा में नगर निगम सहरसा, किशनगंज में नगर पंचायत पौआखाली, मुंगेर में नगर परिषद हवेली खड़गपुर, नगर पंचायत संग्रामपुर और नगर पंचायत असरगंज, लखीसराय में नगर परिषद बड़हिया, जमुई में नगर परिषद झाझा और बांका जिले में नगर परिषद बांका (कार्यकाल जून 2023) को समाप्त हो रहा है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

जम्मू,04 मई 2023 (ए)। जम्मू-कश्मीर से एक बड़ा हादसा होने की खबर है। यहां के किश्तवाड़ जिले के एक गांव में भारतीय सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया है। बताया जा रहा है कि इस हेलिकॉप्टर में भारतीय सेना के तीन अधिकारी सवार थे। रेस्क्यू के लिए टीमों को घटनास्थल पर रवाना कर दिया गया है। अभी तक उनसे संपर्क नहीं हो पाया है।

बताया जा रहा है कि जहां ये हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ है, वो किश्तवाड़ का काफी दुर्गम इलाका है। यहां बीते दो-तीन दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही थी। सेना के तीन अधिकारी हेलिकॉप्टर पर जा रहे थे, बताया जा रहा है कि यही हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ है। हालांकि सेना की ओर से पता लगाया जा रहा है कि उनकी तबीयत कैसी है। इसके लिए रेस्क्यू की टीमों को रवाना कर दिया गया है। हालांकि अभी तक उन अधिकारियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

सरेआम पंचायत में दंपति को मौत के घाट उतारने की वारदात में 13 गिरफ्तार

रांची,04 मई 2023 (ए)। लातेहार जिले के चंदवा थाने के हेसला गांव में पंचायत लगाकर दंपति को मौत के घाट उतारने की वारदात में पुलिस ने दो पाहनों (पुजारियों) सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद हेसला और आसपास के गांवों में तनाव पसरा हुआ है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची थी। लातेहार के एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह डायन-जादू-टोना का अंधविश्वास है। दो पाहनों (पुजारियों) ने भीड़ को उनकी हत्या के लिए उकसाया था। इस मामले में दोनों पाहनों के अलावा 11 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। सभी हेसला गांव के ही रहनेवाले हैं।एसपी ने बताया कि इस घटना की कड़ी सरहुल पूजा से जुड़ी हुई है। 22 अप्रैल को हुई सरहुल पूजा के दिन बुजुर्ग दंपति ने सरहुल फूल लेने से इनकार कर दिया था। इससे लोगों में नाराजगी थी। वहीं, इसी दिन सेन्हा के दो युवकों अजय और सुकेश महतो की दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस मौत की वजह दंपति के जादू-टोने को बताया गया। इसी हेसला के पाहन धीरज मुंडा और बुतरी पाहन ने दो मई की रात अखड़ा में बुजुर्ग दंपति शिबल गंझू तथा बवरी देवी को पीटा जिससे उनकी मौत हो गई। गिरफ्तार आरोपियों में पाहन धीरज मुंडा, बुतरु पाहन, संतोष गंझू, परदेशी मुंडा, सिंधु मुंडा, अमृत मुंडा, सुरेंद्र गंझू, विनोद सिंह, भोला मुंडा, रामचंद्र मुंडा, मुनवा मुंडा, रामधन गंझू और परमेश्वर मुंडा के नाम शामिल हैं।

शरद पवार की रिटायरमेंट पर सस्पेंस बरकरार

बोले-'1-2 दिन में अंतिम फैसला'

मुंबई ,04 मई 2023 (ए)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार- जिन्होंने 2 मई को अपने पद से हटने का फैसला किया था- उन्होंने गुरुवार को कहा कि वह एक या दो दिनों में अपना अंतिम फैसला लेंगे। वह वाईबी चव्हाण मेमोरियल सभागार के बाहर प्रदर्शनकारी एनसीपी कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए विशेष रूप से पहुंचे और कहा कि वह अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की भावनाओं का बहुत सम्मान करते हैं। पवार ने नरम लहजे में कहा, मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं..मुझे आप सभी के साथ अपनी योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए थी। लेकिन मुझे पता था कि आपने मुझे निर्णय लेने की अनुमति नहीं दी होगी। कल (शुक्रवार) समिति की बैठक है और वह इस मामले पर चर्चा करेंगे। मैं सभी से परामर्श करने के बाद अंतिम निर्णय लूंगा और आपको सूचित करूंगा।

इससे पहले, उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने फिर से कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और हाथ जोड़कर उनसे पिछले 48 घंटों के अपने आंदोलन और भूख हड़ताल को वापस लेने का आग्रह किया। राज्य पार्टी अध्यक्ष जयंत पाटिल, जिन्होंने खुद को एनसीपी के शीर्ष पद के दावेदार के रूप में स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया था, उन्होंने प्रदर्शनकारियों से अपील की कि वह अपना विरोध वापस लें और शुक्रवार को पैनल की बैठक के नतीजे का इंतजार करें।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में अपना आंदोलन जारी रखा है, जिसमें मांग की गई है कि पवार को पार्टी प्रमुख के रूप में सेवानिवृत्त होने के अपने फैसले को वापस लेना चाहिए। इस मांग पर लगभग पूरी पार्टी एकमत से अडिग है, हालांकि अजित पवार ने इससे अलग रुख अपनाते हुए कहा है कि सीनियर पवार ने यह फैसला खुद लिया है और उनकी उम्र और सेहत को देखते हुए सभी को इसका सम्मान करना चाहिए।

एनसीपी और राज्य के राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही हैं- अगर पवार अपने फैसले से पीछे नहीं हटते- किसे नए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुना जाएगा। हालांकि पवार द्वारा बुलाई गई बैठक से पहले ही सुप्रिया सुले, जयंत पाटिल, अजीत पवार, प्रफुल्ल पटेल दौड़ से बाहर हो चुके हैं।

संपादकीय

पहलवानों का राजनीतिक संघर्ष

राजनीतिक संघर्ष का अर्थ है कि चूंकि यौन शोषण का आरोपी सत्ताधारी दल का सांसद है और उसे राजसत्ता का संरक्षण भी मिला हुआ दिखता है, तो संघर्ष के निशाने पर धीरे-धीरे सरकार और सत्ताधारी पार्टी का आते जाना एक लाजिमी परिघटना है।

चैंपियन पहलवानों का यौन शोषण के खिलाफ संघर्ष का केंद्र बना नई दिल्ली का जंतर-मंतर अब एक सरकार विरोधी राजनीतिक मंच बनता जा रहा है। इसके बावजूद सत्ता पक्ष की यह कोशिश सफल नहीं हो रही है कि वह पहलवानों को विपक्षी दलों के हाथ का 'खिलौना' बता दे। इस बिंदु पर राजनीतिक संघर्ष और चुनावी राजनीति के रंग में अंतर को स्पष्ट कर लेना चाहिए। राजनीतिक संघर्ष का अर्थ है कि चूंकि यौन शोषण का आरोपी सत्ताधारी दल का सांसद है और उसे राजसत्ता का संरक्षण भी मिला हुआ दिखता है, तो संघर्ष के निशाने पर धीरे-धीरे सरकार और सत्ताधारी पार्टी का आते जाना एक लाजिमी परिघटना है। चुनावी राजनीति का रंग तब होता, जब यह लड़ाई किसी पार्टी विशेष से संचालित दिखती और ऐसी धारणा बनती कि इसके जरिए चुनावी समीकरण बनाए जा रहे हैं। लेकिन हकीकत ऐसी नहीं है। पहलवानों के मंच पर कांग्रेस के नेता पहुंचे तो अरविंद केजरीवाल ने भी वहां जाकर उन्हें संबोधित किया। इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने भी उसे सक्रिय समर्थन देने का एलान किया है। किसान आंदोलन के दौरान इस मोर्चा का एक प्रमुख चेहरा बन चुके राकेश टिकैत अपने दल-बल के साथ मंगलवार को जंतर-मंतर पहुंचने का एलान कर चुके हैं। जबकि जाट समुदाय के कई खापों से जुड़े लोग वहां पहले ही आ चुके हैं। अब चूंकि राजनीतिक रंग का कार्ड नहीं चला है, तो एक कोशिश इस लड़ाई को जाट बनाम राजपूत (चूंकि आरोपी इस जाति से आते हैं) में बदलने की शुरू हो गई है। हरियाणा की राजनीति के जानकारों ने कहा है कि इसके जरिए वहां जाट बनाम गैर जाट की गोलबंदी मजबूत करने की कोशिश की जा सकती है, जो उस राज्य में भाजपा की राजनीतिक शक्ति का आधार रहा है। ऐसी विभाजक कोशिशें नागरिकता संशोधन विरोधी कानून के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कारगर रही थीं। लेकिन किसान आंदोलन के दौरान इन प्रयासों को अधिक सफलता नहीं मिली। अब पहलवान संघर्ष के दौरान यह देखने की बात होगी कि क्या ऐसी विभाजक रणनीतियां अब बेअसर हो रही हैं? ऐसा होना सत्ता पक्ष के लिए खतरे की घंटी होगी।

अगर जीतना है स्वयं को,बन सौरभ तू बुद्ध!!

बौद्ध धर्म का एक मजबूत व्यक्तिवादी घटक है: जीवन में हर किसी की अपनी खुशी की जिम्मेदारी है। बुद्ध ने चार आर्य सत्यों को मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में प्रस्तुत किया: जीवन में दुख है; दुख का कारण इच्छा है; इच्छा समाप्त करने का अर्थ है दुख को समाप्त करना; और एक नियंत्रित और मध्यम जीवन शैली का पालन करने से इच्छा समाप्त हो जाएगी, और इसलिए दुख समाप्त हो जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, बुद्ध ने नोबेल अष्टांगिक मार्ग प्रस्तुत किया- सही विश्वास, सही संकल्प, सही भाषण,सही आचरण, सही व्यवसाय,सही प्रयास, सही दिमागीपन, और सही समाधि-या ध्यान। बौद्ध प्रथा के अनुसार, अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करने से अंततः संसार, पुनर्जन्म और पीड़ा के चक्र से मुक्ति मिल जाएगी।

गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित बौद्ध दर्शन और सिद्धांत, वास्तविकता और मानव अस्तित्व के बारे में सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। बौद्ध धर्म भोग और सख्त संयम जैसे चरम कदमों का त्याग करते हुए मध्य मार्ग सिखाता है। उनके अनुसार बौद्ध धर्म के व्यक्तिवादी घटक पर बल देते हुए, जीवन में अपनी खुशी के लिए हर कोई जिम्मेदार है। मध्य मार्ग बुद्ध की शिक्षा का मूल है और इसे जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है।

इसका अनिवार्य रूप से अर्थ है चरम सीमाओं से बचना, जैसे कि आज हम जो देख रहे हैं-संकीर्ण राष्ट्रवाद और बेलगाम उदारवाद, धार्मिक कट्टरता और घटिया धर्म, एक गौरवशाली अतीत के प्रति जुनून और आधुनिक मानी जाने वाली सभी चीजों को सही ठहराना। छः-पोशाक, भोजन आदि को लेकर एक विशेष आस्था के लोगों के एक वर्ग को आँख बंद करके निशाना बनाना। संक्षेप में, दूसरे के दृष्टिकोण पर विचार किए बिना जो सही है उसमें अंध विश्वास। बुद्ध का अभ्यास कहता है चरम तरीकों से बचें और तर्कसंगतता के बीच के रास्ते पर चलना समय की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, चल रहे यूक्रेन युद्ध जहां रूस और नाटो अपने स्वयं के लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

समसामयिक तौर पर देखे तो बौद्ध धर्म में जाति व्यवस्था शामिल नहीं है - यह समानता सिखाता है और यह कि हर कोई व्यक्तिगत सुधार के माध्यम से निर्वाण तक पहुंचने में सक्षम है। बौद्ध धर्म में परिवर्तित होने से, निचली जाति के सदस्य जाति व्यवस्था के तहत होने वाले भेदभाव से बच सकते हैं और अन्य बौद्धों द्वारा उनके साथ समान व्यवहार किया जा सकता है। अस्पृश्यता की प्रथा को भारत के संविधान द्वारा गैरकानूनी घोषित किया गया है। यह मनुष्य के पतन की सबसे पुरानी प्रणाली है। और, यह अभी भी ग्रामीण और शहरी भारत में प्रचलित है। यह भी स्पष्ट है कि पूरे भारत में अनुसूचित जातियों के बीच दावे की डिग्री बढ़ी है। वे हर संभव तरीके से श्रेणीबद्ध पदानुक्रम और असमानता का विरोध कर रहे हैं।

बुद्ध ने स्वयं एक संस्था के रूप में जाति की आलोचना की; और, 20वीं शताब्दी में, कई निम्न-जाति के हिंदुओं ने, अम्बेडकरवादी शिक्षाओं के प्रभाव में, जातिगत

भेदभाव से बचने के लिए फिर से खोज की और बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो गए। अम्बेडकरवादी आंदोलन बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा सिखाए गए और अभ्यास किए गए लोकाचार से प्रभावित है। 1956 में बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा शुरू किए गए महान धर्मांतरण आंदोलन के बाद यह आंदोलन बौद्ध धर्म से प्रभावित हो रहा है। यही कारण है कि हजारों दलित आज भी बौद्ध धर्म अपनाते हैं। पुनरुत्थानवादी बौद्ध धर्म आधुनिक भारत में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतीक है। कई शताब्दियों के अंतराल के बाद बौद्ध धर्म मुख्यधारा का धर्म बन गया है। अनुसूचित जाति के अलावा आदिवासी और ओबीसी धीरे-धीरे इसकी ओर रुख कर रहे हैं। बौद्ध धर्म लोकतंत्र का झंडा फहराते हुए है। बौद्ध धर्म उन लोगों को बहुत आवश्यक आत्मविश्वास और सम्मान प्रदान करता है जो जाति-आधारित सामाजिक व्यवस्था द्वारा हीन और निंदा करने के लिए मजबूर हैं। यह आत्मविश्वास जाति के नरक से बाहर निकलने और उनके उत्थान और विश्वास और सम्मान की भूमि में उनके आगमन में स्पष्ट है। बुद्ध ने आखिरकार, सिखाया कि मन और ज्ञान की स्वतंत्रता लोगों के एक वर्ग के लिए गुप्त नहीं है, इसे उन सभी द्वारा प्राप्त किया जा सकता है जो न केवल खुद को, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी बदलने के लिए संघर्ष और प्रयास करते हैं।

बौद्ध धर्म नैतिकता की एक उच्च प्रणाली को विकसित करता है और अष्टांग मार्ग में जो बताया गया है वह सभी व्यक्तियों के लिए एक सरल लेकिन शक्तिशाली मार्गदर्शक है, जिसमें उच्च पदों पर बैठे लोग-राजनीतिक और व्यापारिक नेता, धार्मिक संत, नौकरशाह और पेशेवर शामिल हैं। आज के कड़वे धार्मिक और राजनीतिक संघर्षों, बढ़ती असमानताओं और असमानताओं की दुनिया में, बुद्ध द्वारा निर्धारित मध्य मार्ग ही मानव जाति को घृणा, अपमान और हिंसा की बुराइयों से बचाने का एकमात्र तरीका है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले सतत विकास लक्ष्यों में से एक शांति और न्याय है। चूंकि शांति और सतत विकास आपस में जुड़े हुए हैं, बुद्ध का प्रिज्म स्थानीय से लेकर वैश्विक संस्थानों और नेताओं तक हर एक हितधारक के लिए मार्गदर्शक रोशनी हो सकता है, जो करुणा और ज्ञान के आधार पर संवाद, सद्भाव और न्याय को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर सकता है। बौद्ध शिक्षाएं मनुष्यों में करुणा, शांति और स्थिरता, आनंद पैदा करती हैं और वे मनुष्य और प्रकृति के बीच एक स्थायी संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकती हैं। बुद्ध की शिक्षाएँ समाज को उनके बेहतर और अधिक मानवीय रूपों में बदल सकती हैं जैसा कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने दर्शाया है कि 20 वीं सदी युद्ध और हिंसा की सदी थी, अब हम सभी को यह देखने के लिए काम करने और वार्ता की ज़रूरत है कि 21 वीं सदी शांति की है।

विचलित करते है सदा,मन मस्तिक के युद्ध !
अगर जीतना स्वयं को, बन सौरभ तू बुद्ध !!

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी, हरियाणा

छत्तीसगढ़ में लाइब्रेरियन भर्ती का वनवास कब तक?

किसी भी रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने से पहले विद्यार्थी यह जरूर सोचते हैं कि उनके रुचि के अनुरूप रोजगार तो अवश्य ही मिलेगा। कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपने पसंदीदा करियर क्षेत्र का अवलोकन करते है कि क्या भावी समय में रोजगार के संसाधन उपलब्ध होंगे अन्यथा नहीं? खासकर भारत में रोजगार के स्थायित्व और निजी नौकरियों की बंधुआ-गिरी से रहित सरकारी नौकरियों के पीछे युवाओं का आकर्षण लाजमी है।

राज्य के गठन के साथ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की पढ़ाई कुछ ही कॉलेज एवं मध्यप्रदेश अधीन विवि से होती थी। वैकेंसी की अल्पता और सूचनात्मक प्रसार के अभाव में कुछ ही ग्रंथपाल बनने की व्यावसायिक शिक्षा ले पाते थे। बहरहाल, छत्तीसगढ़ सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम, 2008 ने बी.लिब और एम.लिब. के पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया। क्योंकि इस अधिनियम में जिला मुख्यालय सहित ग्राम पंचायतों तक पुस्तकालय के रोड मैप को प्रदर्शित किया। पुस्तकालय विज्ञान के छात्र-छात्राओं में उत्साह की दोहरी खुशी का मौका भी था। इसी दौर में स्कूल शिक्षा में उच्चतर माध्य. विद्यालयों में शिक्षकों का खासकर जिन्होंने पुस्तकालय विज्ञान में डिग्री अर्जित की है, उनका प्रमोशन कर दिया गया। रोजगार के संभावनाओं की तलाश ने युवाओं को पुस्तकालय विज्ञान की छत्रछाया में ला खड़ा किया। शासकीय सहित निजी विश्वविद्यालयों में भी तेजी से पुस्तकालय स्नातकों की लम्बी लाइने लगने लगी। जहां बड़ी संख्या में पुस्तकालय कार्मिकों के व्यावसायिक शिक्षा लेने वालों की होड़ मच गई। वहीं पं. सुन्दर लाल शर्मा विवि और डिस्टेंस मोड से भी बी.लिब. और एम.लिब. के पाठ्यक्रम ने विद्यार्थियों की संख्या में चार चांद लगा दिए। लेकिन भर्तियों का दौर जैसे थम सा गया। सरकारें बदली लेकिन युवा ग्रेजुएट मांग पत्रों के साथ-साथ भर्ती विषयक आक्रोश मुहिम भी चलाते रहे लेकिन, नतीज़ा लगभग शून्य ग्राही निकला है।

अमेरिकन लाइब्रेरी एसोसिएशन अपने परिभाषित रूप में कहता है, पुस्तकालय शब्द का उपयोग ईंट-और-मोर्टार सार्वजनिक पुस्तकालय से लेकर डिजिटल पुस्तकालय तक कई अलग-अलग पहलुओं में किया जाता है। सार्वजनिक पुस्तकालय - और वास्तव में, सभी पुस्तकालय - बदल रहे हैं और गतिशील स्थान हैं जहाँ पुस्तकालयाध्यक्ष लोगों को जानकारी का सबसे अच्छा स्रोत खोजने में मदद करते हैं चाहे वह एक पुस्तक, एक वेब साइट या डेटाबेस प्रविष्टि हो।

यानी पुस्तकालय की वर्तमान में सूचना केन्द्र के रूप में प्रत्याभूत हो रहे हैं। भारत में लागू नवीन राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 (एनईपी) का उद्देश्य भारत में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालय प्रणालियों के संदर्भ में आवश्यक सेवा के रूप में पुस्तकालय पर ध्यान केंद्रित करना है। पुस्तकालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं अध्ययन, अनुसंधान, शिक्षा और कौशल विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लाभों का एक समूह प्रस्तुत करती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) भारत में शिक्षा मंत्रालय द्वारा 29 जुलाई 2020 को प्रस्तुत की गई थी। नई नीति शिक्षा पर पिछली राष्ट्रीय नीति, 1986 की जगह लेती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक भारत-केंद्रित शिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके हमारे देश को एक समान और जीवंत ज्ञान समाज में स्थायी रूप से बदलने में सीधे योगदान देती है। जिसमें पुस्तकालय की योगदान अनिवार्य है। पुस्तकालय संसाधनों और उपयोगकर्ताओं में भारी बदलाव आया है। आज के पुस्तकालय दुनिया भर में बदलते समाज के छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, राजनेताओं और आम जनता जैसे सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए ज्ञान और सूचना को डिजिटल रूप में संग्रहीत करते हैं। भारत की नई शिक्षा नीति के अनुसार पुस्तकालयों की भूमिका कई गुना बढ़ गई है।

लेकिन बिना लाइब्रेरियन के ऐसे पुस्तकालयों की क्या उपयोगिता रहेगी इसकी कल्पना आप स्वयं ही कर सकते हैं। वर्तमान संदर्भ में छत्तीसगढ़ में कुल स्कूल शिक्षा विभाग में कुल रिक्त पदों की संख्या 23 से 24 सौ के बीच संभावित है। जहां एक ओर आरक्षण के विवाद और न्यायपालिका के पाले में गेंद रखकर भर्ती लगभग दो वर्षों की अवधि में बंद रहीं और उससे पहले कोविड-19 के कारण भी वैकेंसी का अकाल रहा है। बहरहाल, माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार, छत्तीसगढ़ में 58 फीसदी आरक्षण के साथ भर्ती और पदोन्नति को हरी झंडी मिल गई है। हालिया समय में पुस्तकालय विज्ञान से पास आउट हर जिले में हजारों की संख्या में युवा बेरोजगार हैं; क्या शासन की ओर से लाइब्रेरी साइंस के युवाओं के लिए भर्तियां आयोजित होती है। या फिर केवल रिक्त पदों का झुनझुना दिखाकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जायेगा।

पुखराज प्राज
फिंगेश्वर,गरियाबंद
छत्तीसगढ़

दरोगा और दरोगा साहब

गाँव का चौपाल,बरगद पेड़ के नीचे गहमा-गहमी चारो तरफ कोलाहल!!गाँव के सारे जनमानस एक दूसरे से घटी-घटना के बारे में बिना रुके झुंड के झुंड होकर वार्तालाप कर रहे हैं।लोग किसी अप्रत्याशित परिणाम के बारे में सोंच-सोंच कर

भयभीत है।तभी अचानक पुलिस की कमांडर जीप सायरन बजाते चौपाल के पास पहुचती है।जैसे ही जीप चौपाल के पास पहुचती है।वहाँ सन्नाटा छा जाता है।मानो पाला मार गया हो।उस जीप से एक अपराधी जिसके हाथों में हथकड़ी लगी हुई है नीचे उतारा जाता है।साथ में दो हवलदार और एक दरोगा भी उतरता है।
गाँव का मुखिया सरपंच चौपाल से लगी खाट से उठकर दरोगा से कहते हैं-
नमस्कार साहब जी।
आइए आइए साहब बैठिए।
और उनको एक अलग खाट में बिठाते है,और सरपंच बगल में लगे खाट में बैठ जाते हैं।
तभी दरोगा साहब चिल्लाते हुए कहते हैं-
अरे!!कोतवाल कहा हो?
कोतवाल थरथराते हुए-
जी हुजूर!जी हुजूर!
कहते हुए दरोगा के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो जाता हैं।और कहता है-
कहिए हुजूर क्या हुक्म है?।
तब दरोगा जी कहते हैं-
सरपंच और पंचों का पंचनामा हेतु हाजिर करो।
कोतवाल सभी को हाजिर करता है।
दरअसल जो कैदी पकड़ा गया है, वह अवैध रूप से अपनी बाड़ी में कच्ची शराब बनाते हुए पकड़ा गया,जिसको मुखबिरी के आधार पर पकड़ के चौपाल में उपस्थित किया गया है।
तभी दरोगा साहब अपराधी को घुड़कते हुए कहते हैं-
÷क्या नाम है तुम्हारा ?
द..ह्य.द ह्य ह्य ह्य दारोगा....
साह्यह्यह्य.. साहब !
क्या बकते हो ? पूरा नाम बताओ?
तब अपराधी कहता है-
दरोगा लाल!
दरोगा तुम हो कि मैं हूँ ?
अपराधी कहता है-
आप हो और मैं भी!!
और मुस्कुराने लगता है।
दरोगा उसकी इस धृष्टता से लाल-पीले हो जाता है।अपराधी के जवाब से चौपाल में ठहाका गूंज जाता है।कोतवाल जोर से चिल्लाता है-
हल्ला खामोश! हल्ला खामोश!
पुनः दरोगा साहब पूछते हैं-
तुम्हारे पिता का क्या नाम है?
साहेब! साह्यह्य..साहब जी!
दरोगा कहता है-
क्या बक रहे हो?तुम्हे पता है,क्या कह रहे हो?पता है साहब जी।
पुनः दरोगा कहता है-
पूरा नाम बताओ?
अपराधी कहता है-
साहेब लाल।
चौपाल में फिर वही ठहाका!
खमोश!हल्ला खामोश!
फिर सन्नाटा छा जाता है।
पुनः दरोगा पूछते हैं-
तुमारे दादा जी का क्या नाम है?
तब अपराधी कहता है-मुंशी!
तब तो दरोगा कंझा के सिर पकड़ लेते हैं।
और किटकिटाते हुए कहते हैं।ये क्या मजाक बना रखा है।जब देखो तब ....।
कहते हुए चुप हो जाते हैं।कुछ समय चुप रहने के बाद-
पूरा नाम बताओ?
मुंशी लाल।अपराधी कहता है।
तब वह दरोगा तिलमिलाते हुए वहाँ उपस्थित पंच-सरपंच से उस अपराधी के बारे में सच्ची जानकारी लेते हैं।और पूछते हैं-
क्यो भाई यह जो अपराधी बोल रहा है वह क्या सही-सही है?
तभी सरपंच खड़ा होकर कहता है-
जी दरोगा साहब! बिल्कुल सच्ची बात है।
तब दरोगा आवाक हो जाते हैं।और झेंप कर मुस्कुरा देते हैं और कहते हैं-ठीक है!ठीक है!
अपराधी कच्ची शराब बनाकर कानून अपने हाथों लिया है।जो समाज और देश के लिए घातक है।इसकी सजा तो जरूर मिलेगी।
तब वह अपराधी दरोगा के चरणों मे गिर जाता है।और गिड़गिड़ाते हुए कहता है-
मुझे माफ़ करदो हुजूर! मुझसे बहुत बड़ा अपराध हो गया है। मैं आज कसम खाता हूँ, की आज के बाद यह अपराध मैं कभी न करूँगा,न किसी को करने दूँगा।
उसके अपराध कुबूल करने और सुधरने की बात को सुनकर दरोगा उसको उसकी सजा कम कराने की समझाईस देते हैं।और फिर सिपाहियों के द्वारा अपराधी को जीप में बिठाया जाता है।
इस दृश्य को देखकर चौपाल में पुनः सन्नाटा छा जाता है,और सभी लोगों को मालुम हो गया था की बुरे कर्म का परिणाम हमेशा बुरा होता है।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरीनारायण
(छ ग)

भारत में भुखमरी से कब मिलेगा छुटकारा

आज के आधुनिक युग में दुनिया भर के देशों में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। यह एक डरावना सत्य है। एक ओर जहां लोगों के रहन-सहन, जीवन-यापन के स्तर में काफी बदलाव देखने को मिलता है। लोग पहले की अपेक्षा अधिक सुख सुविधाओं के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। वही एक तबका ऐसा भी है जिनको खाने को भरपेट भोजन भी नहीं मिल रहा है। भोजन के अभाव में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। 21वीं सदी में आधुनिक होते जा रहे लोगों के लिए भुखमरी से होने वाली मौत एक करारे तमाचे से कम नहीं है। जब तक दुनिया के हर इंसान को दोनों वक्त भरपेट भोजन नहीं मिलेगा तब तक सारी तरक्की बेमानी है।

खाद्यान्न वितरण प्रणाली में सुधार तथा अधिक पैदावार के लिए कृषि क्षेत्र में निरन्तर नये अनुसंधान के बावजूद भारत में भुखमरी के हालात बदतर होते जा रहे हैं। वैश्विक भूख सूचकांक के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में भारत 121 देशों कि सूची में 107 वें स्थान पर पहुंच गया है। 121 देशों की सूची में श्रीलंका 64 वें, म्यांमार 71 वें, नेपाल 81 वें, बांग्लादेश 84 वें, पाकिस्तान 99 वें, अफगानिस्तान 109 वें स्थान पर है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स के प्रकाशकों ने भारत में %भूख% की स्थिति को गंभीर बताया है। हालांकि भारत ने वैश्विक भूख सूचकांक 2022 को खारिज किया है। भारत ने इस रिपोर्ट को लेकर कहा है कि यह देश की छवि खराब करने का प्रयास है। सरकार ने कहा कि भूख सूचकांक रिपोर्ट न केवल जमीनी हकीकत से अलग है। इस रिपोर्ट में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को जानबूझकर अनदेखा किया गया है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत के खराब प्रदर्शन की बात करें तो यह बीते कुछ सालों से लगातार जारी है। 2017 में इस सूचकांक में भारत का स्थान 100 वां था। साल 2018 के इंडेक्स में भारत 119 देशों की सूची में 103 वें स्थान पर रहा। वहीं 2019 में देश 117 देशों में 102 वें स्थान पर रहा था। वर्ष 2020 में भारत 94 वें स्थान पर था। 2021 में 116 देशों की सूची में 101 वें स्थान पर था। वैश्विक स्तर पर भूख के खिलाफ प्रगति हाल के वर्षों में काफी हद तक स्थिर रही है। 2014 में 19.1 की तुलना में 2022 में 18.2 के वैश्विक स्कोर के साथ केवल मामूली सुधार हुआ है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स स्कोर की गणना चार संकेतकों पर की जाती है। जिनमें अल्पपोषण, कुपोषण, बच्चों की वृद्धि दर और बाल मृत्यु दर शामिल हैं। वर्तमान ग्लोबल हंगर इंडेक्स अनुमानों के आधार पर पूरी दुनिया और विशेष रूप से 47 देश- 2030 तक लक्ष्य के निम्न स्तर को प्राप्त करने में विफल रहेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा पर कई मोर्चों पर बिगड़ती स्थितियां, वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से संबंद्ध मौसम के बदलाव और कोविड -19 महामारी से जुड़ी आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भुखमरी को बढ़ा रही हैं।

सहायता कार्यों से जुड़ी आयरलैंड की एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी के संगठन वेल्ट हंगर हिल्फ द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भूख के स्तर को चिंताजनक बताया गया है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए डेटा संयुक्ते त राष्टे ट्र के अलावा यूनिसेफ, फूड एंड एग्रीकल्टे चर ऑर्गनाइजेशन समेत कई एजेंसियों से लिया गया हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में लोग कोविड -19 और महामारी संबंधी प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट में भुखमरी की स्थिति के लिहाज से दुनिया के 121 देशों को खतरनाक, अत्याधिक खतरनाक और गंभीर जैसी तीन श्रेणियों में रखा गया है। इनमें भारत गंभीर की श्रेणी में है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की इस स्थिति के कारण ही दक्षिण एशिया का प्रदर्शन हंगर इंडेक्स में और बिगड़ा है। भारत एक ऐसा देश जो अगले एक दशक में दुनिया के सर्वाधिक प्रभावशाली देशो की सूची में शामिल हो सकता हैं। वहां से ऐसे आंकड़े सामने आना बेहद चिंतनीय माना जा रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में विश्व भर में भूख के खिलाफ चल रहे अभियान की उपलब्धियों और नाकामियों को दर्शाया जाता है। भुखमरी को लेकर यह रिपोर्ट भारत सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचिन्ह खड़े करती हैं।

श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार हमसे आर्थिक से लेकर तमाम तरह की मोटी मदद पाते हैं। मगर भुखमरी पर रोकथाम के मामले में हमारी हालत उनसे भी बदतर क्यों हो रही है? इस सवाल पर ये तर्क दिया जा सकता है कि श्रीलंका व नेपाल जैसे कम आबादी वाले देशों से भारत की तुलना नहीं की जा सकती। यह बात सही है लेकिन साथ ही इस पहलू पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि भारत की आबादी श्रीलंका और नेपाल से जितनी अधिक है। भारत के पास क्षमता व संसाधन भी उतने ही अधिक हैं।खाद्य की बर्बादी की ये समस्या सिर्फ भारत में नही बल्कि पूरी दुनिया में है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष 1.3 अरब टन खाद्यान्न खराब होने के कारण फेंक दिया जाता है। यह कैसी विडम्बना है कि एक तरफ दुनिया में इतना खाद्यान्न बर्बाद होता है और दूसरी तरफ दुनिया के लगभग 85 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। क्या यह अनाज इन लोगों की भूख मिटाने के काम नहीं आ सकता? पर व्यवस्था के अभाव में ये नहीं हो पा रहा है।

महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि हर वर्ष हमारे देश में खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन होने के बावजूद क्यों देश की लगभग एक चौथाई आबादी को भुखमरी से गुजरना पड़ता है? यहां मामला यह है कि हमारे यहां हर वर्ष अनाज का रिकार्ड उत्पादन तो होता है। पर उस अनाज का एक बड़ा हिस्सा लोगों तक पहुंचने की बजाय कुछ सरकारी गोदामों में तो कुछ इधर-उधर अव्यवस्थित ढंग से रखे-रखे सड़ जाता है। संयुक्त राष्ट के एक आंकड़े के मुताबिक देश का लगभग 20 फीसद अनाज भण्डारण क्षमता के अभाव में बेकार हो जाता है। इसके अतिरिक्त जो अनाज गोदामों में सुरक्षित रखा जाता है। उसका भी एक बड़ा हिस्सा समुचित वितरण प्रणाली के अभाव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने की बजाय बेकार पड़ा रह जाता है।

भारत में भुखमरी से निपटने के लिए अनेको योजनाएं बनी हैं लेकिन उनकी सही तरीके से पालना नहीं होती है। महंगाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल ने गरीबों और कम आय वाले लोगों को असहाय बना दिया है। हमारे देश में सरकार द्वारा भुखमरी को लेकर कभी उतनी गंभीरता दिखाई ही नहीं गई जितनी कि होनी चाहिए। यहां सरकार द्वारा हमेशा भुखमरी से निपटने के लिए सस्ता अनाज देने सम्बन्धी योजनाओं पर ही विशेष बल दिया गया। कभी भी उस सस्ते अनाज की वितरण प्रणाली को दुरुस्त करने को लेकर कुछ ठोस नहीं किया गया। आज सार्वजनिक वितरण प्रणाली हांफ रही है और मिड-डे मील जैसी आकर्षक परियोजनाएं भ्रष्टाचार और प्रक्रियात्मक विसंगतियों में डूबी हुयी हैं। लोगों को भुखमरी से निजात दिलाने की दिशा में सभी को सकारात्मक और प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। ताकि आने वाले समय में किसी भी जिंदा इंसान की भुखमरी से मौत ना हो सके।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

भाजपा के पास मोदी और राहुल!

कर्नाटक के चुनाव शोर में भाजपा जस की तस सौ टका नरेंद्र मोदी के करिश्मे पर आश्रित है। बतौर प्रमाण पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह वाक्य सटीक है- कर्नाटक को मोदी जी के आशीर्वाद से वंचित नहीं होना चाहिए। तभी गुरूवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तो बसवराज बोम्मई ने भी कहा कि हमारा जीतना तय। उनके अनुसार पीएम मोदी का एक-एक शब्द बीजेपी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करता है।मुझे यकीन है कि हमारे पार्टी कार्यकर्ता कर्नाटक में भाजपा को सत्ता में वापस लाने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करेंगे।

निश्चित ही हिमाचल और उससे पहले के तमाम चुनावों में भी नरेंद्र मोदी आश्रित भाजपा थी। कर्नाटक में भी है। इसलिए यह भाजपा की चली आ रही पुरानी राजनीति का हिस्सा। मगर बावजूद इसके 'कर्नाटक को मोदी जी के आशीर्वाद से वंचित नहीं होना चाहिए' जैसा वाक्य जनता को भक्त बनाने में अति है। सो, जनवरी 2023 से बदलती राजनीति में एक तरफ भाजपा, सत्तापक्ष और ज्यादा मोदी के करिश्मे पर निर्भर है। वहीं कांग्रेस, आप, राहुल-केजरीवाल भी जवाब में नरेंद्र मोदी की अदीनी से दोस्ती, डिग्री औरभ्रष्टाचार का शोर करते हुए। सोचें, जनवरी के बाद की सन् 2023 की राजनीति का फर्क। क्या पहले कभी कल्पना संभव थी कि लोकसभा में नरेंद्र मोदी और अदानी को लेकर नारे लगेंगे। संसद नहीं चलेगी। लोकसभा में नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी वह भाषण देंगे, जिसका जवाब देने के बजाय सरकार को रिकार्ड से भाषण उड़वाना होगा। राहुल गांधी की सांसदी खत्म कर दी जाएगी। ऐसे ही किसने कल्पना की थी कि अरविंद केजरीवाल विधानसभा में नरेंद्र मोदी और अदानी के रिश्तों पर वह बोलें, जिसे पूरे देश ने चटखारे लेते हुए सुना मगर मोदी-भाजपा के मुंह से रत्ती भर प्रतिक्रिया नहीं। इतना ही नहीं आजाद भारत के इतिहास में पहली बार भारत का प्रधानमंत्री अनपढ़ करार दिया जाता हुआ।

हरिशंकर व्यास

बाबूजी जी की घड़ी

बाबू जी की घड़ी बहुत ही प्यारी थी।
देखने में बहुत ही न्यारी थी।
सबके आंखों का वह प्यारा था।
हम सबके लिए दुलारा था
हाथों में उसके दिनभर शोभायमान थी।
हम सबके लिए एक पहचान थी।
सुनहरे डायल में सुनहरे कांटे
घर में वह हमारे बहुत प्यार बांटे
चाबी वाले वह कलाई घड़ी।
तीन सुईयों वाले वह कलाई घड़ी।
कभी-कभी मैं भी पहन लेता था
मेरी कलाई छोटा था घड़ी बड़ा था
फिर बाबूजी की डांट पड़ता।
फिर बाबू जी से मैं डरता रहता।
कभी बिस्तर में कभी तकिए के नीचे
कभी दीवार के खूंटी पर टंगा रहता था।
मुझे बार-बार आकर्षित करता था।
लेकिन हमेशा वह मुझे संदेश देता था।
उसे बाबूजी हमेशा बताते थे।
और मुझे समझाते थे।
कि मनुष्य को समय का कद्र करना चाहिए।
हमेशा समय के साथ चलना चाहिए।
बाबूजी की वह घड़ी बहुत ही प्यारी थी।
देखने में वह बहुत ही न्यारी थी।

पुरुषोत्तम चक्रधारी
सूर्य पांडुका
गरियाबंद छत्तीसगढ़

वक्त का क्या भरोसा

पूर्व निश्चित है आदमी का जीवन मरण
आदमी पैदा होता है मर जाता है
उतना समय ही यहां रहता है
जितना इस जगत से नाता है
सबको अपनी अपनी पड़ी है
काम निकल जाए आंख दिखाता है
कितना मतलबी हो गया खुदगर्ज
इंसान की मज़बूरियां नहीं समझ पाता है
किसी से क्या लेना देना है
मतलब की यह दुनियाँ सारी
पथभ्रष्ट हो गया सुनता नहीं
उसकी मति गई है मारी
अभी में तू जी ले पल में क्या हो जाएगा
वक्त का क्या भरोसा समझ नहीं पायेगा
समय का चक्र चलता रहता है लगातार
नहीं पता किसको लाएगा किस को उठाएगा

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचलप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मां महामाया एयरपोर्ट की हवाई पट्टी में हुआ सफल ट्रायल,

स्वास्थ्य मंत्री,प्रभारी मंत्री व खाद्य मंत्री ने किया स्वागत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

ऊंचाइयों में 25 किलोमीटर की दूरी से भी साफ दिखती है, दरिमा स्थिति मां महामाया एयरपोर्ट की हवाई पट्टी। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव से चर्चा में दरिमा एयरपोर्ट के टेस्ट के लिए जहाज को उतारने वाले पायलट कैप्टन अभय शर्मा और कैप्टन अर्पित बालियान ने यह जानकारी दी। इसी के साथ शीघ्र ही हवाई यातायात के मानचित्र में अम्बिकापुर के नाम को अंकित करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। करीब एक माह पूर्व बनकर तैयार हुआ मां महामाया एयरपोर्ट टेस्टिंग का इंतजार कर रहा था। गुरुवार की दोपहर स्वास्थ्य मंत्री को एविएशन विभाग ने यह सूचना दी कि टेस्टिंग फ्लाइट गुरुवार दोपहर 2 बजे तक दरिमा एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। तब इस ऐतेहासिक पल के साक्षी बनने एवं एविएशन विभाग के अनुरोध पर सुझाव के लिए स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शफी अहमद , जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश गुप्ता और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी पहुंचे। टेस्टिंग फ्लाइट आने की जानकारी के बाद सरगुजा प्रवास पर पधारे जिले के प्रभारी मंत्री शिव डहरिया और खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, लुण्ड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम, खाद्य आयोग के अध्यक्ष राजू बाबरा भी एयरपोर्ट पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर महापौर डॉ अजय तिर्की, वायु सिंह, ननकी सिंह, एनिमा केरकेट्टा, मो इस्लाम, सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता, नारद गुप्ता, रजनीश सिंह, इंद्रजीत सिंह धंजल, नितेश चौरसिया, उत्तम राजवाड़े आदि भी मौजूद थे।

2 घंटे के मुआयना के बाद

निरीक्षण दल रवाना

टेस्ट फ्लाइट 3.16 मिनट पर एयरपोर्ट पर लैंड किया। इसमे एविएशन विभाग के 5 सदस्य मौजूद थे। रायपुर से फ्लाइट को लेकर कैप्टन अर्पित बालियान और कैप्टन अभय शर्मा करीब 30 मिनट में दरिमा स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच गए। कैप्टन अर्पित बालियान ने यह जानकारी दी कि दरिमा एयरपोर्ट की दृश्यता शानदार है। 25 कि मि की दूरी से ऊंचाइयों से रनवे स्पष्ट दिखाई देता है। रनवे बेहतरीन है। अब रनवे पर कोई जर्क नहीं है। बड़े से बड़ा विमान भी यहां पर आराम से उतर सकता है और उड़ान भर सकता है। निरीक्षण दल करीब 2 घंटे तक रनवे, टर्मिनल भवन आदि का मुआयना करने के बाद शाम 5.25 पर रायपुर के लिए टेकऑफ कर गया। स्वास्थ्य मंत्री के निजी सचिव विनोद गुप्ता भी इसी दल के साथ रायपुर रवाना हुए।

9 से 12 मई के बीच अंतिम निरीक्षण

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव मां महामाया एयरपोर्ट के संचालन को लेकर लगातार एविएशन विभाग के संपर्क में हैं। इसी वजह से आज टेस्टिंग की सूचना एविएशन विभाग ने उन्हें व्यक्तिगत तौर पर दी। एविएशन विभाग से हो रही चर्चा के आधार पर स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 9 से 12 मई के दौरान डीजीसीए की टीम अंतिम निरीक्षण के लिए यहां आएगी। इसके एक माह के उपरांत मां महामाया एयरपोर्ट को सी-3 ग्रेड एयरपोर्ट का लाइसेंस जारी हो जाएगा। इस एयरपोर्ट पर 72 से 80 सीटर प्लेन का संचालन आसानी से हो सकेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

मां महामाया एयरपोर्ट के टेस्टिंग के लिए पहुंचे तकनीकी दल का श्रम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष शफी अहमद और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शानदार स्वागत किया। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े बजा कर फूल माले से तकनीक दल का स्वागत किया। दल को स्वागत किट भी दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

अबिकापुर के घड़ी चौक में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने किया पुतला दहन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मई 2023 (घटती-घटना)।

कर्नाटक में कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंगदल को बैन करने की बात पर देशभर मे आक्रोश व्याप्त है उसी सन्दर्भ मे कल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ मे बजरंग दल को बैन करने का बयान जारी किया.उसी तर्त्तम्या मे सरगुजा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर के निर्देशानुसार युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने भूपेश बघेल का पुतला जलाया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की व मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।पुतला दहन के दौरान पुलिस कर्मियों व कार्यकर्ताओ के बिच जमकर झूमाझटकी देखने को मिली।युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया की बजरंग दल बैन करने के विरोध मे आज प्रदेश आह्वाहन पर युवा मोर्चा के द्वारा पुतला दहन कार्यक्रम घड़ी चौक मे किया गया। भाजयुमो सरगुजा ने कांग्रेस किं तुलना रावण से करते हुए कहा की सतयुग मे रावण ने हनुमान जी की पूँछ पर आग लगायी थी उसके बाद उसका विनाश हो गया।अब कांग्रेस पार्टी बजरंग दल पर बैन लगाकर ऐसा कर रही है।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रावण जैसा अहंकार रखेंगे तो निश्चित रूप से सत्ता की कुर्सी दिया फेक दिया जायेगा।कोंग्रेस के इस घृणित मानसिकता के विरोध मे युवा मोर्चा लगातार आंदोलन करती रहेगी। इस कार्यक्रम मे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिरुद्ध मिश्र, मनीष दुबे,जिला उपाध्यक्ष विकास शुक्ल (चंदन), जिलामंत्री वीर सोनी,गोलू यादव,छोटू गुप्ता, दिव्यांशु केशरी,मारकंडेय तिवारी,वेदांत तिवारी, अनुराग शुक्ल, दीपक यादव, रोहित कुशवाहा, श्रीधर केशरी,अभिनन्दन सिंह,भोलू सिंह सेंगर,प्रिंस चौबे, रोहन श्रीवास्तव, ऋषभ राय,अयोध्या प्रजापति, स्वस्तिक सिंह, प्रेम दास महत,बालेश्वर सोनी, सौरभ विश्वकर्मा, शिवा तिवारी,आदित्य केशरी, हिमांशु दुबे आदि उपस्थित रहे।

बतौली के शासकीय जमीन फर्जीवाड़े मामले में आया नया मोड़

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

बीते दिनों बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत भटकों में शासकीय भूमि को फर्जीवाड़ा कर रजिस्ट्री करवाने का मामला सामने आया था जिसमें भाजपा ने कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के तथाकथित निज सचिव को दोषी बताकर ज्ञापन सौपा था। अब इस मामले का पूरा सच उजागर हो चुका हैं। शुक्रवार को भटकों ग्रामवासी बड़ी तादाद में कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के निवास पहुंचकर मंत्री अमरजीत भगत की जो छवि धूमिल हुई उसके लिए माफी मांगी। इस मामले में कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने अवैध पट्टाधारियों के खिलाफ कार्यवाही के लिए कलेक्टर को जांच टीम गठित करने के निर्देश दिए थे। चार सदस्यीय टीम ने मामले की जांच की जिसमे जानकारी मिली कि भाजपा नेता अमित गुप्ता ने पटवारी की मदद से फर्जीवाड़े को अंजाम दिया था। इस मामले में पटवारी को तत्काल सस्पेंड कर दिया गया, मामले की कार्यवाही आगे जारी हैं। 4 मई गुरुवार को भटकों ग्रामवासी मंत्री अमरजीत भगत के निवास पहुँचे, और बताया

कि हमें तो मालूम नही था हमें मंत्री जी का नाम लेकर झूठी शिकायत करने के किये कहा गया था, ये सब भाजपा व अन्य दलों ने उनकी छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक षड्यंत्र किया था, जब हमें इसकी जानकारी मिली तो हम मंत्री जी के निवास पर उनसे क्षमा मांगने आये हैं। ग्राम पंचायत भटकों में अवैध पट्टाधारियों ने पटवारी की मदद से शासकीय भूमि को रजिस्ट्री करवाया जा रहा था जिसकी शिकायत हमने की थी, जांच टीम गाँव आयी थी, उन्होंने मामले की जांच की, मंत्री अमरजीत भगत जी के नाम का कन्फ्यूजन हो गया था, हम ग्रामवासियों ने उन पर आरोप नही लगाया था, हम तो उनसे मांग करने आये है कि जो जमीनों पर सालों से काबिज हैं उनको परेशानी न हो मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया है आप लोगो को परेशानी नही होगी रामप्रसाद मरावी (ग्रामीण) हम सब ग्रामवासी मंत्री जी के निवास आये है भटकों जमीन मामले को राजनीतिक ढंग देकर मंत्री जी नाम उछला गया, हम ग्रामवासी ने उनका नाम कभी नही लिया, हम सब यहाँ उनसे आग्रह करने आये है कि कई पीढ़ी से जो काबिज है उन्हें परेशानी ना हो - गणेश्वरी मरावी (सरपंच) मंत्री अमरजीत भगत ने शासकीय भूमि फर्जीवाड़े के मामले में कहा - ÷सांच को आंच कहा÷ जो गलती किया ही नही उसको डरने की क्या जरूरत, लोगो ने मांग किया ज्ञापन दिया, मुझको आश्चर्य हुआ कि मंत्री की सह पर हो रहा है ऐसा आरोप एकाएक कौन लगा रहा हैं, मैंने एक्शन लिया जिला प्रशासन को निष्पक्ष जांच के आदेश दिए, भाजपा व अन्य लोगो ने कई जगहों पर इसी तरह के मामले हैं, इस पर मैंने पूरे जिले में जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है, ग्रामवासी आज मेरे निवास पर मुझसे मिलने आये है, और सालों से काबिज लोगो की मांग है कि हमे इस जांच दायरे से अलग रखा जाए मैंने सभी को आश्वासन दिया कि ग्रामीणों को परेशानी नही होगी। किन्तु जो आरोपी और कब्ज़ाधारी है उनपर कड़ी कार्यवाही होगी।

प्रभारी मंत्री को 70 कार्यकर्ताओं का हस्ताक्षरित इस्तीफा सौंपा

- संवाददाता -
सूरजपुर, 04 मई 2023
(घटती-घटना)।

बिहारपुर उप ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मन्देश गुर्जर के क्रियाकलाप पर असंतोष जाहिर करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुर्जर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए गुरुवार को सूरजपुर प्रवास पर आए जिले के प्रभारी मंत्री शिव डहरिया से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपते हुए गुर्जर को बिहारपुर उप ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को नहीं हटाए जाने पर इस्तीफा स्वीकार करने की मांग की है। दर्जन भर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रभारी मंत्री को 70 कार्यकर्ताओं का हस्ताक्षरित इस्तीफा सौंपा है।

बिहारपुर उप ब्लॉक कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष समेत जिलाध्यक्ष एवं विधायक को भी हाल ही में उक्त आशय का पत्र प्रेषित किया था। पत्र में बिहारपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पर लंबे समय से पद पर बने रहने एवं कार्यकर्ताओं की उपेक्षा किए जाने का गंभीर आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि ब्लॉक अध्यक्ष की मनमानी और तानाशाही पूर्ण रवैया के कारण पार्टी कार्यकर्ता मायूस तथा परेशान हैं। उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को तत्काल पद से हटाने की मांग की है। साथ ही उन्हें पद से नहीं हटाए जाने पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने की बात कही है।

प्रभारी मंत्री को इस्तीफा सौंपने वालों में बिहारपुर के उप ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री बेचू राम बेस समेत उपाध्यक्ष रामप्रताप बैस, मीडिया प्रभारी शिशुपाल, किसान कांग्रेस अध्यक्ष तुलसी जायसवाल, इंटक अध्यक्ष जयबाबू, ब्रह्मदेव जायसवाल, गोरखनाथ पाठक के नाम प्रमुख हैं। ज्ञापन में रामलक्षण बैस, बुधलाल विश्वकर्मा, नधिर सिंह, राघवेंद्र तिवारी, अंजनी तिवारी, महेश कुमार, अयोध्या प्रसाद वैश्य, हीरामन सिंह, विजय प्रताप सिंह, रामगोपाल वैश्य, श्याम लाल विश्वकर्मा, अनिल कुमार साकेत आदि दर्जनों नाम शामिल हैं।

फांसी लगाने से पूर्व युवक ने दीवार पर लिखा,

'जाओ मेरी जान,लौटकर नहीं आऊंगा,बस खुश रहना'

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाषनगर स्थित किराए के मकान में 3 मई की शाम एक युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसकी मौत हो चुकी थी। इसकी सूचना युवक के मामा ने थाने में दी। मामा किराए के मकान में रहता था। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो दीवार पर 'जाओ मेरी जान, अब कभी लौटकर नहीं आऊंगा, बस खुश रहना' लिखा हुआ मिला। इससे मामला प्रेम-प्रसंग का प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भागवतपुर निवासी जीतन बघेल 32 वर्ष डेढ़ वर्ष से अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाषनगर में दुलाल मंडल के किराए के मकान में रहता

था। सप्ताहभर पूर्व वह अपने घर गया था। इस दौरान उसके रिश्ते में लगने वाला भांजा जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरडीह निवासी 22 वर्षीय पंकज टोप्पो पिता प्रेमसाय भागवतपुर पहुंचा। यहां से दोनों मामा-भांजा 5 दिन पूर्व मजदूरी करने अंबिकापुर आ गए। 3 दिन मजदूरी करने के बाद जीतन 1 मई को ग्राम सरडीह में शादी में शामिल होने चला गया। 3 मई की शाम करीब 5 बजे वह अपनी पत्नी बसंती के साथ सुभाषनगर स्थित किराए के मकान में पहुंचा तो दरवाजा भीतर से बंद था। आवाज देने और मोबाइल पर कॉल करने के बाद भी भांजे पंकज ने दरवाजा नहीं खोला तो इसकी सूचना उसने मकान मालिक को दी। जब दरवाजा तोड़कर देखा गया तो पंकज का शव साड़ी से फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। भांजे को फांसी पर लटका देख जीतन गांधीनगर थाने पहुंचा और मामले की सूचना दी। पुलिस जब किराए के मकान में पहुंची तो जांच में दीवार पर 'जाओ मेरी जान, लौटकर नहीं आऊंगा, बस खुश रहना', लिखा मिला। प्रथमदृष्ट्या मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत होने के बाद पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पीएम के लिए भेजा। पीएम पश्चात 4 मई को पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस जब किराए के कमरे में पहुंची तो छत की लकड़ी के सहारे जींस व नेवार भी लटका हुआ था। जबकि साड़ी में पंकज का शव लटका था। इससे पुलिस अंदाजा लगा रही है कि पहले उसने जींस व नेवार के सहारे फांसी लगाने की कोशिश की होगी। फांसी लगाने उसने तीसरी बार उसने साड़ी का सहारा लिया होगा।

देश के मजदूरों को संगठित रहकर काम करने की अपील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ सेल्स प्रमोशन इंप्लाइज यूनियन अंबिकापुर इकाई द्वारा चोपड़ापारा स्थित कार्यालय में इकाई के अध्यक्ष कामरेड प्रवीण सिंह ने मजदूर यूनियन के झंडे को फहराया। सीटू के राज्य उपाध्यक्ष कामरेड जेएस सोढ़ी ने मजदूर एक हो के नारे को विस्तार से समझाते हुए श्रमिकों की एकता पर बल दिया। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स वेलफेयर समिति के प्रांतीय संगठन सचिव कामरेड विनोद सिन्हा ने शारीरिक श्रम और मानसिक श्रम करने वाले दोनों ही मजदूर है और मजदूरों और मालिकों के बीच गैर बराबरी को समाप्त करने के लिए कदम उठाने की अपील की। इस दौरान कामरेड विजय कुमार सिन्हा, भगत सिंह एकेडमी के चरणप्रीत सिंह, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर्स कल्याण यूनियन के प्रांत उपाध्यक्ष कामरेड अनंत सिन्हा, सुधीर तिवारी, ज्योतिली, सऊद अंसारी, शैलेंद्र वर्मा, प्रकाश नारायण सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन इकाई सचिव कामरेड रघुनाथ प्रधान किया। कार्यक्रम में अजय कुमार, विवेक, अनंत सिंह, शेखर, ज्योति, मोहम्मद कमुद्दीन, धर्मेंद्र कुमार, राजेंद्र पाल, संजय सिंह, शेखरपुर, चंद्रभान चौहान, शीशिर मस्कट, विमलेश शर्मा, राजीव शर्मा, सुभाष पाल, योगेश मिश्रा, योगेंद्र नारायण, रजक संतोष, महाराणा रितेश चौहान, चंद्रहास शर्मा, विपन पटनायक, अनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव उपस्थित थे।

संयुक्त टीम ने ग्राम आमगांव साल्ही में रूकवाया बाल विवाह

निरंतर रोके जा रहे है बाल विवाह

- संवाददाता -
सूरजपुर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में बाल विवाह के रोक-थाम के लिये संयुक्त टीम सक्रिय है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण ईकाई, चाईल्ड लाईन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरंतर बाल विवाह रोके जा रहे है। संयुक्त टीम द्वारा विकासखण्ड के ग्राम आमगांव साल्ही में एक 17 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रोका गया। ग्रामिणों द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी की एक 17 वर्षीय बालिका का बाल विवाह होने जा रहा है, जिस पर संयुक्त टीम तत्काल मौके

पर पहुंची, जहां बालिका एवं उसके पिता के द्वारा बताया गया कि बालिका 7वी तक कि पढाई कि है दस्तावेज मंगाया गया। जिसमे पाया गया कि अंकसुची अनुसार बालिका कि उम्र 18 वर्ष पुर्ण नही हुई है। उक्त बाल विवाह रोक कर घर वालो एवं ग्रामीणों को बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी दी जाती है। यह विवाह न करने की समझाईष दिया गया, यह विवाह हुआ तो सभी को परेशानी उठानी पड़ सकती है, तब वधु एवं वर पक्ष सभी ने विवाह नहीं करने का निर्णय लिया। सभी को समझाईष दिया गया कि यदि विवाह होता है तो बाल विवाह प्रतिशेध अधिनिय 2006 के तहत् विवाह कराने वाले, सहयोग करने वाले, अनुमति देने वालो एवं सामील होने वालों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध होगा और 02 वर्ष तक की सजा एवं 01 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। तब जाकर घर वाले अपना मण्डप स्वयं से उखाड़ दिये और विवाह 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद करने का निर्णय लिया और पंचनामा बना कर टीम को दिया।

बाल विवाह रोकवाने वाले में, जिला बाल संरक्षण इकाई से जैनेन्द्र दुबे, हर गोविन्द चक्रधारी थाना रामानुजनगर से थाना प्रभारी विपीन लकडा ,आरक्षक दिपक यादव, चाईल्ड लाईन से केन्द्र समन्वयक कार्तिक मजूमदार, प्रकाश राजवाडे ,नंदिनी खटिक उपस्थित थे।

सिंध में 50 हिंदुओं का धर्मांतरण कराकर इस्लाम कबूल कराया,हिंदू कार्यकर्ता बोले-हम असहाय

नई दिल्ली ,04 मई 2023। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में दस हिंदू परिवारों के कम से कम 50 सदस्यों ने इस्लाम धर्म अपना लिया, जिससे हिंदू कार्यकर्ता परेशान हो गए, जिन्होंने सामूहिक धर्मांतरण में राज्य की भागीदारी का आरोप लगाया। एक पाकिस्तानी अखबार ने गुरुवार को खबर दी है कि ये लोग प्रांत के मीरपुरखास क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के रहने वाले थे और शहर के बैतुल इमान न्यू मुस्लिम कॉलोनी मदरसे में आयोजित एक समारोह में उनका धर्म परिवर्तन कराया गया। मदरसे की देखभाल करने वालों में से एक कारी तैमूर राजपूत ने पुष्टि की कि 10 परिवारों के कुल 50 लोगों ने इस्लाम धर्म अपना लिया, जिसमें 23 महिलाएं और एक साल की लड़की शामिल थी। खबर में कहा गया है कि धार्मिक मामलों के मंत्री सीनेटर मोहम्मद तल्हा महमूद के बेटे मोहम्मद शमरोज खान भी धर्मांतरण समारोह में शामिल हुए।

राजपूत ने खान के हवाले से कहा, ÷सभी लोगों स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार किया है, किसी ने उन्हें मजबूर नहीं किया। धर्मांतरण समारोह के दौरान, राजपूत ने कथित तौर पर नए धर्मांतरितों से पूछा कि क्या उन्होंने स्वेच्छा से यह कदम उठाया है। दूसरी ओर, हिंदू कार्यकर्ता इस सामूहिक धर्मांतरण से असहज हैं और उन्होंने अपना नाराजगी और निराशा व्यक्त की है।

इस प्रथा के खिलाफ अक्सर आवाज उठाने वाले हिंदू कार्यकर्ता फकीर शिवा कुची ने कहा, %ऐसा लगता है कि राज्य खुद इन धर्मांतरणों में शामिल है।%

उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदाय के सदस्य सरकार से धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाने की मांग कई वर्षों से कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷सिंध में धर्मांतरण एक गंभीर मुद्दा है और इसे रोकने के लिए कदम उठाने की बजाय संघीय सरकार के मंत्री का बेटा धर्मांतरण के लिए हुए आयोजन में शामिल होता है।÷ उन्होंने कहा, ÷यह हम सभी [हिंदुओं] के लिए बड़ी चिंता का विषय है। हम [अब] असहाय महसूस कर रहे हैं।÷ कुची ने कहा कि धर्म परिवर्तन करने वाले अधिकांश लोग आर्थिक रूप से वंचित होते हैं और स्थानीय धार्मिक नेता इसका फायदा उठाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, %%वे उन्हें वित्तीय सहायता की पेशकश करते हैं और आसानी से उनका धर्मांतरण करा लेते हैं।÷

राजपूत ने कहा, %%हम इन लोगों को हर संभव सहायता मुहैया कराने की कोशिश करते हैं पर पिछले पांच साल में सैकड़ों लोगों ने इस्लाम धर्म अपना लिया है। वे 2018 में विशेष रूप से नए मुस्लिम धर्मांतरितों के लिए स्थापित एक स्थानीय सुविधा में रहेंगे। इस केंद्र में चार महीने तक रहने के दौरान धर्म परिवर्तन करने वाले नए लोग अध्ययन करेंगे और अपना नया धर्म सीखेंगे। संगठन कपड़े, भोजन और दवा सहित उनकी जरूरतों को पूरा करता है। यह कहते हुए कि हम केवल परिवारों को इस्लाम में धर्मांतरित करते हैं राजपूत ने बताया कि हम किसी व्यक्ति को धर्मांतरित नहीं करते हैं क्योंकि इससे समस्याएं पैदा हो सकती हैं। राजपूत ने कहा कि अस्पताल में चार महीने रहने के बाद धर्मांतरित लोग कहीं भी जा सकते हैं। सिंध, जहां देश की सबसे बड़ी हिंदू आबादी रहती है, सामाजिक और आर्थिक दबाव में रहता है यहां अक्सर धर्मांतरण की घटनाएं होती रहती हैं।

अखबार की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2021 में सिंध के बादिन इलाके में कम से कम 59 हिंदू मजदूरों ने जमींदार के कहने पर इस्लाम धर्म अपना लिया। कथित तौर पर इस जमींदार की कृषि भूमि पर वे सुरक्षा और आर्थिक समर्थन के बदले वर्षों से खेती करते थे।

पाकिस्तान में अप्रैल में आतंकी हमलों में हुई मामूली वृद्धि

इस्लामाबाद 04 मई, 2023। पाकिस्तान में अप्रैल में कुल 48 घटनाओं के साथ आतंकवादी हमलों की संख्या में मामूली वृद्धि देखी गई, जिसमें 68 मौतें हुईं और 55 घायल हुए। एक नई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। जारी रिपोर्ट में, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा कि नए आंकड़े मार्च में दर्ज किए गए 39 आतंकवादी हमलों से अधिक है, जिसमें 58 मौतें और 73 घायल हुए थे।

इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक ने कहा कि आंकड़ों में आतंकवादी हमलों में 23 फीसदी की वृद्धि, मौतों में 17 फीसदी की बढ़ोतरी और घायल लोगों की संख्या में 25 फीसदी की कमी देखी गई है।

अप्रैल में सुरक्षा बलों की मौत में भी 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा ने आतंकवादी समूहों के खिलाफ अपने अभियान बढ़ा दिए हैं, अप्रैल में उन्होंने कम से कम 41 आतंकवादियों को मार गिराया और 40 को गिरफ्तार किया।

रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा पिछले महीने हुए कुल हमलों में से 49 फीसदी के साथ सबसे अधिक प्रभावित प्रांत रहा।

आम चुनाव की तारीख पर जारी है विवाद,

पाकिस्तान में बनते-बनते बिगड़ गई बात?

इस्लामाबाद , 04 मई 2023। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान में चुनाव के समय को लेकर सत्ता पक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच बात फिर बिगड़ गई है। मंगलवार रात दोनों पक्षों ने कहा था कि नेशनल असेंबली और चारों प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव साथ-साथ पर उनके बीच सहमति बन गई है। तब सिर्फ यह तय नहीं हो सका था कि ये चुनाव कब होंगे। लेकिन बुधवार को इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने मांग कर दी कि पंजाब में प्रांतीय चुनाव पहले से तय तारीख यानी 14 मई को कराए जाएं।

इस बीच पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी देकर उससे पंजाब के चुनाव के बारे में दिए गए आदेश को वापस लेने की गुजारिश की है। 14 मई को चुनाव कराने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने ही दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि अगर सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) और पीटीआई पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने पर राजी हो जाएं, तो वह पंजाब में चुनाव के बारे में अपना आदेश वापस ले सकता है।

बुधवार को पीटीआई ने 13 दलों के गठबंधन पीडीएम के साथ चुनाव के समय के बारे में हुई अपनी बातचीत का ब्योरा सुप्रीम कोर्ट को दिया। उसने बताया कि चुनाव की तारीख के बारे में सहमति नहीं बनी है, इसलिए पंजाब में चुनाव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप होना चाहिए।

पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान ने बुधवार को एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने समर्थकों से शनिवार को सड़कों पर उतर कर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल के प्रति समर्थन जताने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में कानून के राज की रक्षा के लिए चीफ जस्टिस के साथ सभी लोगों को एकजुटता जाहिर करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में पेश अपनी रिपोर्ट में पीटीआई ने कहा कि कोर्ट के निर्देश के मुताबिक उसने पीडीएम के साथ बातचीत में चुनाव की तारीख पर सहमति बनाने की पूरी कोशिश की। लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। पीटीआई ने बताया कि उसने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में सत्ता पक्ष के सामने कुछ शर्तें रखी हैं। उनमें यह शामिल है कि नेशनल असेंबली और सिंध एवं बलूचिस्तान की प्रांतीय असेंबलियों को तुरंत भंग किया जाए। इन सबके भंग होने के बाद 60 दिन के अंदर नेशनल असेंबली और चारों प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव कराए जाएं। पंजाब और खैबर पख्तूनवा की प्रांतीय असेंबलियां पहले से ही भंग अवस्था में हैं।

युवान में भुगतानः बांग्लादेश के सामने है अब अमेरिका को मनाने की कठिन चुनौती

ढाका , 04 मई 2023। खबर है कि रूस को चीनी मुद्रा युवान में भुगतान करने के बांग्लादेश सरकार के फैसले से अमेरिका बेहद खफा है। उसकी तरफ से संकेत दिए गए हैं कि अगर बांग्लादेश ने इस बारे में अपना रुख नहीं बदला, तो अमेरिका-बांग्लादेश संबंधों पर उसका बहुत खराब असर पड़ेगा। लेकिन बांग्लादेश के अधिकारियों ने भरोसा जताया है कि वे इस मामले में अपनी मजबूरी अमेरिका को समझाने में सफल रहेंगे।

बांग्लादेश ने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण कार्य से संबंधित भुगतान युवान में करने का फैसला किया था। बांग्लादेश में यह परमाणु संयंत्र रूस बना रहा है। पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए। उसके बाद रूस ने डॉलर में भुगतान स्वीकार करना रोक दिया। इससे बांग्लादेश के लिए रूस को भुगतान करना कठिन हो गया। नतीजा यह हुआ कि परमाणु संयंत्र का निर्माण कार्य धीमा हो गया। ये समस्या दूर करने के लिए पिछले महीने बांग्लादेश ने रूस को बकाये का भुगतान चीनी मुद्रा युवान में करने का फैसला किया था।

विदेशी मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक

बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय ने फिलहाल 31 करोड़ 80 लाख डॉलर के बराबर की रकम का भुगतान युवान में करने का फैसला किया है। ढाका यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय के पूर्व प्रोफेसर इम्तियाज अहमद ने तुर्किये की एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा- 'जो बाइडन प्रशासन को यह अवश्य समझना चाहिए कि रूपपुर परियोजना बांग्लादेश के लिए बेहद अहम है। भविष्य में ऊर्जा की जरूरतो को पूरा करने के लिए इसका समय से बनना जरूरी है। इसलिए इसके काम में कोई रुकावट नहीं डाली जा सकती।' अहमद ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने का लाभ अमेरिका को भी मिलेगा, क्योंकि बांग्लादेश दुनिया में रेडीमेड कपड़ों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और अमेरिका इन कपड़ों का मुख्य ग्राहक है।

बांग्लादेश के कूटनीति विशेषज्ञों ने शेख हसीना सरकार को सलाह दी है कि उसे अमेरिका के साथ इस मुद्दे को बातचीत से हल करना चाहिए। उसे अमेरिका सरकार को बताना चाहिए कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का बनना बांग्लादेश के साथ-साथ उसके फायदे में भी है। इसलिए उचित होगा कि अमेरिका इस मुद्दे को मौजूदा अंतरराष्ट्रीय और भू-राजनीतिक तनाव से हट कर देखे।

रूपपुर प्लांट ढाका से 140 किलोमीटर दूर पबना जिले में बन रहा है। इसके लिए बांग्लादेश ने रूस से 12 बिलियन डॉलर का कर्ज लिया है। तैयार होने के बाद इस संयंत्र से 2,400 मेगावाट बिजली पैदा होगी। बांग्लादेश को आशा है कि इस संयंत्र के चालू होने के बाद लंबे समय से जारी बिजली संकट दूर हो जाएगा।

बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय में यूरोपियन मामलों के प्रमुख उत्तम कुमार कर्माकर ने पिछले हफ्ते बताया था कि रूस और बांग्लादेश के बीच युवान में भुगतान पर सहमति बन गई है। यह सहमति पिछले महीने रूसी अधिकारियों के बांग्लादेश दौरे के समय बनी। इस घोषणा को इस समय दुनिया भर में डॉलर का वर्चस्व खत्म करने की चल रही मुहिम से जोड़ कर देखा गया। खबर है कि इस मुहिम में बांग्लादेश का भी शामिल होना अमेरिका को पसंद नहीं आया है।

चार्ल्स के राज्याभिषेक से ठीक पहले तेज हुई उपनिवेशवादी दौर के लिए माफी की मांग

लंदन , 04 मई 2023। उपनिवेशवाद के लिए ब्रिटेन से माफी मांगने की तेज होती मांग में अब ऑस्ट्रेलिया के मूलवासी भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने ब्रिटिश राजा चार्ल्स थर्ड से औपचारिक रूप से माफी मांगने के साथ ही ब्रिटिश राजशाही के धन का उनके बीच बंटवारा करने और उपनिवेशवाद के दौरान लूटी गई कलाकृतियों एवं मानव अवशेषों को लौटाने की मांग की है।

चार्ल्स के राज्याभिषेक से ठीक पहले तेज हुआ यह अभियान अब तक 12 देशों में फैल चुका है। इन देशों के मूलवासी नेताओं ने किंग चार्ल्स को पत्र लिख कर उनसे औपचारिक माफी मांगने और अधिराज्य देशों को ब्रिटिश विरासत से मुक्त कर गणराज्य घोषित करने की मांग की है। इनमें सबसे ताजा नाम ऑस्ट्रेलियाई मूलवासियों का जुड़ा है। ऑस्ट्रेलिया की एबऑरिनिजल (मूलवासी) ओलिंपिक एथलीट नोवा पेरिस ने कहा है- 'हमें मालूम है कि यह राजपरिवार के लिए कठिन संवाद है। लेकिन बदलाव की शुरुआत दूसरों की बात सुनने से ही होती है।' नोवा अपने देश में लेबर पार्टी की तरफ से सीनेटर भी रह चुकी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मूलवासियों की तरफ से किंग चार्ल्स को भेजे गए पत्र पर निर्दलीय एबऑरिजिनल सीनेटर लिडिया थोर्प ने भी दस्तखत किया है। यह पत्र 'माफी, भूल-सुधार और कलाकृतियों एवं अवशेषों की वापसी' शीर्षक के साथ भेजा गया है। इस पत्र पर एंटिगा और बरबूडा, एओटीरोआ (न्यूजीलैंड), ऑस्ट्रेलिया, बहामा, बेलिजे, कनाडा, ग्रेनाडा, जमैका, पापुआ न्यू गिनी, सेंट किट्स एवं नेविस, सेंट लुसिया और सेंट विसेंट के मूलवासी नेताओं भी दस्तखत किए हैं।

पत्र में कहा गया है- 'हम ब्रिटिश किंग चार्ल्स थर्ड से अनुरोध करते हैं कि छह मई 2023 को अपने राज्याभिषेक के दिन ही वे मूलवासी एवं गुलाम बनाए गए अन्य लोगों के नरसंहार और उन्हें गुलाम बनाने के भयानक प्रभावों को स्वीकार करें।' पत्र में ध्यान दिलाया गया है कि चार्ल्स ने जून 2022 में कॉमनवेल्थ शिखर सम्मेलन में कहा था कि अतीत की गलतियों को स्वीकार करना एक संवाद है, जिसका समय अब आ चुका है। मूलवासी नेताओं ने चार्ल्स से कहा है कि गुलामी के जारी प्रभाव के बारे में संवाद वे बिना देर किए शुरू करें।÷

ऑस्ट्रेलिया में इस समय देश को गणराज्य बनाने के पक्ष में आंदोलन चल रहा है। ऑस्ट्रेलिया अभी भी संवैधानिक रूप से ब्रिटेन का उधिराज्य (डोमिनियन) है, जिसके तहत ब्रिटिश राजा वहां का भी संवैधानिक प्रमुख होता है। ऑस्ट्रेलियन रिपब्लिक मूवमेंट ने चार्ल्स के राज्याभिषेक के कुछ पहलुओं को बेतुका बताते हुए उनकी आलोचना की है। नोवा पेरिस ऑस्ट्रेलियन रिपब्लिक मूवमेंट की सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि राज्याभिषेक से जुड़े कुछ पहलू ऑस्ट्रेलियावासियों के लिए अपमानजनक हैं। उन्होंने कहा- 'यह सोचना हैरतअंगेज है कि आत्म-सम्मान वाला कोई राष्ट्र किसी विदेशी राजा के आगे नत-मस्तक होगा।'

कैलिफोर्निया के डेजर्ट कम्युनिटी में गोलीबारी में 4 की मौत

सैन फ्रांसिस्को 03 मई, 2023। कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी इलाके में एक गोलीबारी की घटना में चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी। यह गोलीबारी मोजावे में एक घर में हुई। इस इलाके में लगभग 4,000 लोग रहते हैं और बेकर्सफील्ड से लगभग 104 किमी पूर्व में स्थित है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में से तीन को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया गया और एक अन्य पीड़ित को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां बाद में उसने दम तोड़ दिया।

गिरफ्तारी के बारे में तत्काल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। संभावित मकसद के बारे में भी पता नहीं चला है।

अमेरिका में कार दुर्घटना में एक सिख दंपती की मौत,बच्चों को स्कूल बस स्टॉप से लेने जा रहे थे

नई दिल्ली,04 मई 2023। अमेरिका में पिछले हफ्ते सड़क दुर्घटना के दौरान एक सिख दंपत्ति की मौत हो गई। यह घटना पिछले शुक्रवार की है, जब एक कार चालक ने सिख दंपत्ति की वाहन को टक्कर मार दी। इस दौरान दंपत्ति और उनकी पत्नी की मौत हो गई।

परमिंदर सिंह बाजवा और उनकी पत्नी हरप्रीत कौर बाजवा अपने बच्चों को स्कूल बस स्टॉप से लेने जा रहे थे। तभी वॉशिंगटन राज्य के एक उपनगर केंट में एक कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। वाशिंगटन स्टेट पेट्रोल ट्रूपर रिक जॉनसन ने बताया कि कार चालक अपने फोन के लिए पहुंचा था और वह अचानक आने वाले ट्राफिक के बीच ही कार चला दी और दोनों पति- पत्नि को टक्कर मार दी।

परमिंदर और हरप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई और उन्हें कार चालक को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिख दंपत्ति अपने दो बच्चो के साथ रहते थे, जिसमें आठ साल की बेटी और एक पांच साल का बेटा है। ये दोनों ही बच्चे अब अपने माता-पिता के बिना ही जीवन गुजारने वाले हैं।

दंपत्ति के दोस्त यशविंदर सिंह ने बच्चों को लेकर कहा- ÷इस समय यह समझने में सक्षम नहीं है कि क्या हुआ है। सिंह सिख राइडर्स मोटरसाइकिल समूह के सदस्य है जो फिलहाल बच्चों के लिए फंड इकट्ठा कर रहे हैं।÷

गोफंडमी पेज ने कहा कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके जाने के बाद उनके बच्चों के पास वे संसाधन हो जिसकी उन्हें जरूरत है।

÷हम जानते हैं कि उनके माता-पिता अपने लिए कुछ नहीं चाहते थे, लेकिन बच्चों के लिए बेस्ट करना चाहते थे। इसलिए हम यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें सभी तरह से समर्थन मिलेगा जिसकी उन्हें जरूरत है।÷

उन्होंने कहा कि सभी फंड का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि बच्चों को उन संसाधनों तक पहुंच प्राप्त हो जिनकी उन्हें जरूरत है। इस फंड के जरिए उनकी शिक्षा में सहायता किया जाएगा, जिससे की वे अपने सपनों को पूरा कर सके।

बांग्लादेश को प्रेस की आजादी का पाठ क्यों पढ़ाया अमेरिका ने?

ढाका,04 मई 2023। बांग्लादेश स्थित अमेरिकी दूतावास ने वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम डे के मौके पर प्रेस की स्वतंत्रता पर चर्चा आयोजित कर एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी अवामी लीग को शिकायत रही है कि अमेरिका बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल दे रहा है। गुजरे समय में अवामी लीग सरकार पर प्रेस की आजादी का दमन करने के आरोप लगते रहे हैं।

ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास की पहल पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिकों को आमंत्रित किया गया। राजनयिकों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वतंत्र प्रेस की भूमिका पर जोर दिया। इस चर्चा की आयोजक अमेरिकी दूतावास की प्रभारी हेलेन लाफेव ने कहा कि पत्रकारिता कोई अपराध नहीं है। मीडिया फ्रीडम की रक्षा करने का लाभ समाज को मिलता है। प्रेस की आजादी किसी भी लोकतंत्र के लिए अति महत्वपूर्ण है।

खासकर हेलेन लाफेव की इस टिप्पणी को बांग्लादेश के संदर्भ में देखा गया है- 'पत्रकारिता अपराध नहीं है। मैं दोहरा रही हूं, पत्रकारिता अपराध नहीं है। पत्रकारों को अपना काम करने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, न ही उन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाने चाहिए। सिर्फ कागज पर पत्रकारों की रक्षा का संवैधानिक प्रावधान या कानून का होना काफी नहीं है।'

इस चर्चा का शीर्षक रखा गया था- 'अधिकारों के भविष्य को आकार देनाः अन्य मानव अधिकारों के प्रेरक के रूप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।' पिछले एक साल के दौरान अमेरिका ने कई बार बांग्लादेश सरकार पर मानव अधिकारों के हनन के आरोप लगाया है। एक बार अमेरिकी प्रभारी राजदूत विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक लापता नेता के घर चले गए थे। उस घटना को लेकर तब अवामी लीग ने कड़ा एतराज जताया था।

अमेरिकी दूतावास की पहल पर हुई चर्चा में विभिन्न देशों के राजदूतों ने अपने विचार व्यक्त किए। हेलेन लाफेव ने कहा- 'हमें मिल कर मीडिया फ्रीडम के सिद्धांतों की रक्षा करनी चाहिए और प्रकाश को चमकने देना चाहिए। आलोचक आवाजों को चुप कराने और मीडिया का दायरा सीमित करने के प्रयासों का मुकाबला किया जाना चाहिए। हम सबको अधिक न्यायपूर्ण, समतापूर्ण और समृद्ध विश्व के निर्माण के लिए मिल कर काम करना चाहिए।'

CMYK

जिले में हो परिणाम मूलक कार्य...डॉ.शिवकुमार डहरिया

» फ्लेगशीप योजनाओं क्रियान्वयन बेहतर ढंग से करने का दिया निर्देश
» विभिन्न योजानओं का लाभ दिलाने अधिकारियों का हो प्रयास

- संवाददाता -
सूरजपुर, 04 मई 2023
(घटती-घटना)।

नगरीय प्रशासन एवं विकास,श्रम विभाग मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष संदीप साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, सीईओ जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

हमारी सरकार की जो फ्लेगशीप योजनाएं हैं उन सभी योजनाओं का क्रियान्वयन अच्छे से हो तथा उन कार्यों को ध्यान देकर करने के साथ ही जिले में परिणाम मूलक कार्य करना आवष्यक है। नरवा गरवा घुरवा बाड़ी विकास के कार्यों का सतत निगरानी कराये। जिले में जहां भी गौठान बने हैं वहां पर्याप्त मात्रा में चारा एवं पानी उपलब्ध हो। पानी की उपलब्धता पर विशेष जोर देने के निर्देश दिये। उन्होंन बताया कि गर्मी का सीजन आ गया है मवेशियों के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी गौठानों में रहे। बरसात में थोड़ी परेशानी होती है उसे दूर करना है। उन्होंने वन विभाग एवं पंचायत ग्रामीण विकास विभाग को समन्वय बनाकर नरवा के

कामों को करने के निर्देश दिए। उन्होंने फ्लेगषीप योजना भूमिहिन मजदूर किसान न्याय योजना अंतर्गत ग्रामीणों में पंजीयन के साथ ही साथ नगर पंचायतों में भी योजा को प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री ने बेरोजगारी भत्ता का प्रथम किस्त जारी कर दिया है। बेरोजगारी भत्ता का लाभ दिलाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। अधिकारियों को सरकार विभिन्न योजनाओं लाभ दिलाने का प्रयास कराना चाहिए। राजस्व विभाग को नामान्तरण, सिमांकन एवं बटवारा के कार्यों को समय सीमा करने का निर्देश दिए। उन्होंने पीएमजीएसवाई, सीएमजीएसवाई तथा पीडब्लयुडी के सड़कों के संधारण एवं मरम्मत का कार्य बरसात से पहले करने के निर्देष दिये। इसके लिए सरकार ने नगरीय निकायों को भी पैसा दिया है। नगर पंचायतों का विकास के कार्य भी तेजी से करने हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री जी के घोषणा अनुसार 10 जून तक नगर पंचायतों के प्रस्ताव मुख्यालय पहुंच जाना चाहिए। उन्होंने नगर निकायों में कार्यों के लिए समय पर भूमि उपलब्ध कराने के निर्देष देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारियों को भूमि की अग्रीम आधित्य देते हुए आबंटन का भी कार्य देना सुनिश्चित करने कहा। आबंटन के लिए कोई भी कार्य लंबित न रहे।

उन्होंने बताया कि श्रम विभाग में श्रम पंजीयन काम होता है, वह निःशुल्क हो गया है, अब पंजीयन पर किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाये। गोधन न्याय योजना का क्रियान्वयन ग्रामीणों के साथ-साथ नगरीय निकायों में भी हो। गोबर खरीदी की जानकारी प्रतिदिन संचालनायल में पहुंचनी चाहिए। उन्होंने मोबाइल मेडिकल, धनवंतरी दुकान की जानकारी लेते हुए धनवंतरी दवाई दुकानों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्र के समीप केंद्रों के संचालन के निर्देश दिये। जिससे अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। जहां भी जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाता है वहा पर अधिकारी जनप्रतिनिधियों से मिलने का समय निर्धारित रखें तथा उनके समस्याओं का समाधान करें। इसी प्रकार आम जनता की समस्याओं का निराकरण समय पर करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को खाद एवं बीज का भंडारा सोसायटी में समय से पूर्व करने के निर्देश देते हुए वर्मी कंपोस्ट खाद के प्रयोग हेतु किसानों को उत्साहित करने के निर्देश दिए। खाद्य विभाग को पहुंचविहिन क्षेत्रों में 2 माह का राशन भंडार करने का निर्देश दिए तथा किसी भी प्रकार की कोई शिकायत न मिले इसका विशेष ध्यान रखने कहा। शिक्षा विभाग को शिक्षा मंत्री जी ने राशि स्वीकृत किया है जिले में जितने भी स्कूल हैं उनके मरम्मत, संधारण, रंग रोगन के कार्य स्कूल खुलने से पूर्व करने के निर्देश दिए। ट्राइबल विभाग के स्कूल, हॉस्टल, आश्रम एवं छात्रावासों के मरम्मत के कार्य को समय से पहले करने के निर्देश दिये तथा आश्रमों में बच्चों के लिए अनिवार्य रूप मेस सचांलन के लिए कहा। उन्होंने जिले में वृक्षा रोपण की कार्ययोजना के बारे में जाना तथा किसानों को धान के बदले अन्य फसलों को लगाने के लिए प्रोत्साहन करने कहा। उन्होंने लघुवनोपज की खरीदी तथा उनका संग्रहण के बाद उसके भुगतान समय पर भुगतान करने के निर्देश दिये।

जिले में गोबर से पेंट बनाने की मशीन स्थापित

» बगीचा के जुरगुम में गोबर से पेंट बनाने का कार्य समूह की महिलाएं कर रही है
» गोबर पेंट का उपयोग शासकीय भवनों के रंगाई-पुताई कार्य में किया जाएगा
» गोबर से बना पेंट जीवाणु और फंगस को रोकने में सक्षम
» पेंट उत्पादन कार्य से महिलाओं को होगी अतिरिक्त आमदनी

- संवाददाता -
जशपुरनगर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं समूहों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। जिससे आज जिले के ग्रामीण महिलाएं गौठान के माध्यम से जुड़कर स्वावलंबी बन रही है। राज्य शासन द्वारा गौठानों से जुड़ी स्व सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए रीपा के माध्यम से अन्य गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है और अतिरिक्त आय अर्जित करने को मौका दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के दिशा-निर्देश में बगीचा विकासखण्ड के जुरगुम ग्राम पंचायत में रीपा के तहत् गोबर से पेंट बनाने की तकनीकी मशीन स्थापित किया गया है। जो जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। मशीन लगने से समूह की महिलाओं में उत्साह देखने को मिल रही है। समूह की महिलाओं ने छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

जनपद सीईओ बगीचा श्री विनोद सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जुरगुम ग्राम पंचायत में रीपा के माध्यम गोबर से पेंट बनाने का मशीन लगाया गया है। इस मशीन से लगभग प्रतिदिन 1000 लीटर पेंट का उत्पादन होगा। महिलाओं को 20 रुपए प्रति लीटर के मान से राशि मिलने से प्रतिदिन 2000 रूपए तक की आमदनी मिलेगी। उन्होंने बताया कि समूह की महिलाएं इसमें कार्य करेंगी और उनकी आर्थिक आय में वृद्धि होगी। गोबर से पेंट बनाने का मशीन से प्राकृतिक डिस्टेंपर पेंट बनाया जाएगा और शासकीय कार्यालयों, स्कूलों, छात्रावासों सहित अन्य जगहों में पुताई के लिए गोबर पेंट का उपयोग किया जाएगा।

गोबर से बने पेंट के उपयोग से अनेक लाभ भी होगें। इससे पर्यावरण पूरक, जीवाणु रोधक, एंटीफंगल, भारी धातुओं से मुक्त, गंधहीन, उष्णता रोधक, विषरहित एवं किफायती बताया गया है। गाय के गोबर से बना यह पेंट जीवाणु और फंगस को रोकने में सक्षम है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से दूरस्थ अंचल के लोगों को मिला रहा है स्वास्थ्य लाभ

सफलता की कहानी
» अब तक हाट बाजारों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 502759 लोगों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण
» हाट-बाजार में खून, बीपी-शुगर,मलेरिया, टाइफाइड सहित अन्य बीमारियों का भी होता है जांच

- संवाददाता -
जशपुरनगर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दूरस्थ अंचल के लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उददेश्य से मुख्यमंत्री हाटबाजार क्लीनिक योजना का प्रारंभ किया गया है। जिसके माध्यम से दूरस्थ अंचल के लोगों को बिना किसी परेशानी के स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा सके।

इसी कड़ी में जशपुर जिले में भी हाट बाजार क्लीनिक योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

जिससे यहां के निवासियों को अस्पताल के साथ ही विभिन्न हाट बाजारों में ही बेहतर स्वास्थ्य उपचार मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाट बाजारों में शिविर लगाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है और परीक्षण के उपरांत उन्हें तत्काल निःशुल्क दवाई एवं परामर्श प्रदान की जाती है। जिससे लोगों को स्थानीय स्तर पर एवं घर के नजदीक ही आसानी से स्वास्थ्य ईलाज का लाभ मिल रहा है।

हाट-बाजार क्लीनिक योजना से लोगों का समय के साथ पैसों की भी बचत हो रही है और नियमित रूप से स्वास्थ्य सुविधा मिल पा रहा है। ईलाज के लिए दूर-दूर जाना भी नहीं पड़ता। हाट-बाजार में खून जांच, बीपी-शुगर जांच, मलेरिया, टाइफाइड सहित अन्य बीमारियों का भी जांच होता है।

जिले में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के तहत अब तक कुल 112 हाट बाजारों में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा कुल 6116 शिविर लगाकर 502759 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच किया गया है। साथ ही 440927 लोगों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया है। जिसमें फरसाबहार में 981 शिविर में 72270 मरीज, पत्थलगांव में 1000 शिविर में 86242 मरीज, कांसाबेल में 664 शिविर में 55885 मरीज, दुलदुला में 816 शिविर में 72608 मरीज, कुनकुरी मे 758 शिविर में 64207 मरीज, बगीचा में 1203 शिविर में 99191 मरीज, जशपुर में 334 शिविर में 24788 मरीज एवं मनोरा में 360 शिविर लगाकर 27568 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर लाभान्वित किया गया है।

पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा लगातार गृहभेंट की कार्ययोजना हो रहा साकार

सफलता की कहानी
» गंभीर कुपोषित बच्चों के माता-पिता को पोस्टिक आहार के सेवन की दी जा रही है जानकारी
» कार्यकर्ताओं के निगरानी से बच्चे के वजन में सकारात्मक परिवर्तन आया, अजन्ती का वजन अब 8.200 ग्राम हो गया

- संवाददाता -
जशपुरनगर, 04 मई 2023
(घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना बागबहार जिला जशपुर के अंतर्गत सेक्टर चिकनीपानी के आंगनबाड़ी केन्द्र कुकरीचोली में अजन्ती पिता श्री लोधा मिंज माता श्रीमती सुनिता मिंज विगत माह गंभीर कुपोषित से मध्यम कुपोषित में थी। पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा लगातार गृहभेंट किया गया एवं उपरी आहार के साथ माँ का दूध बहुत जरूरी है समझाया गया।

पर्यवेक्षक द्वारा एनआरसी ले जाने के लिए समझाया गया। माता-पिता को बार-बार समझाने पर

एनआरसी के लिए तैयार किया गया। दिसम्बर 2022 को अजन्ती को एनआरसी पत्थलगांव में भर्ती कराया गया। पत्थलगांव में 15 दिन रखने के बाद उसे अंबिकापुर रेफर किये। अस्पताल से आने के बाद कार्यकर्ता द्वारा लगातार गृह भेंट किया गया। टीएचआर का महत्व नाश्ता में दो बार दिन में खिलाने की व घर का खाना दिन में 4-5 बार खिलाने की समझाइश दी गई। साथ में साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान देने के लिए समझाया गया।

इसी तरह कार्यकर्ता व निगरानी के माध्यम से बच्चे के वजन में सकारात्मक परिवर्तन पाया गया। वर्तमान में वृद्धि चार्ट सभी के सहयोग से अजन्ती का वजन अब 8.200 हो गया है। नियमित साप्ताहिक वजन एवं वृद्धि अनुसार सामान्य ग्रेड में आ गई है। अजन्ती के माता-पिता कार्यकर्ता मनीरा तिर्की को धन्यवाद दिए। अब परिवार वाले बहुत खुश है और अजन्ती को हर माह वजन करने के लिए आंगनबाड़ी लाया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुनकुरी में हाइड्रोसील के 7 मरीजों का ऑपरेशन किया गया

- संवाददाता -
जशपुरनगर, 04 मई 2023
(घटती-घटना)।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी में हाइड्रोसील मरीजों का ऑपरेशन हेतु शिविर का आयोजन किया गया ।जिसमें विकासखंड कुनकुरी एवं दुलदुला के 16 मरीजों का स्क्रीनिंग कर ऑपरेशन हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी लाया गया जिसमें कुनकुरी के 6 मरीजों का सफल हाइड्रोसिल ऑपरेशन किया गया एवं विकासखंड दुलदुला के एक मरीज का सफल हाइड्रोसिल ऑपरेशन किया गया स्क्रीनिंग किए गए 16 मरीजों में से 9 मरीज हर्निया के पाए गए जिनका आगामी आयोजित की जाने वाली जिला स्तरीय शिविर में इलाज किया जाएगा।

साहू समाज के माँ धर्मशाला भूमि पूजन समारोह संपन्न

सूरजपुर,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री माननीय शिव डहरिया के मुख्य आतिथ्य में साहू समाज के जिला स्तरीय धर्मशाला का भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष टहल साहू ने किया। स्वागत भाषण प्रदेश सरकार के अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण सलाहकार परिषद के सदस्य श्री गैबी नाथ साहू एवं ओबीसी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष महेंद्र साहू ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी अतिथियों को शाल, श्रीफल, मोमेंटो एवं महामाला से भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री श्री शिव डहरिया ने साहू समाज के गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा प्रदेश सरकार सर्व समाज के विकास के लिए कटिबद्ध है, और उदारता से सहयोग दे रही है। उन्होंने साहू समाज के धर्मशाला के बाउंड्री वाल, किचन शेड, शौचालय एवं पानी की व्यवस्था के लिए पचास लाख की राशि तत्काल स्वीकृति किया। साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष टहल साहू ने समाज को एकजुट और विकास करने के लिए आह्वान किया तथा आज प्रदेश की सरकार सभी समाज को भूमि व राशी देकर मंगल भवन बनवा रही है, हमारा समाज इसी तरह संगठित रहा तो आने वाले समय पर निश्चित रूप से बनने वाली सरकार में

हमारे जिले की साहू समाज की भागीदारी रहेगी ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, तेलघानी बोर्ड (राज्यमंत्री दर्जा) के अध्यक्ष संदीप साहू ,जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, उर्दू अकादमी बोर्ड के सदस्य मोहम्मद इस्माइल खान, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती शीलू साहू की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी रामानुजनगर मनोज साहू ने किया इस अवसर पर साहूसमाज जिला अध्यक्ष जोखन लाल साहू, महामंत्री अशोक साहू, अखिल भारतीय तैलिक महासभा युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य एवं नगर पंचायत प्रेमनगर उपाध्यक्ष आलोक साहू ,नगर पंचायत उपाध्यक्ष भटगांव वीरेंद्र साहू, कार्यकारी अध्यक्ष रामलल्लू साहू, उपाध्यक्ष प्रदीप साहू उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ,अशोक साहू, जिला साहू संघ के संरक्षक मार्तंड साहू, रामविलास साहू, बलरामपुर के जिला अध्यक्ष रामसेवक गुप्ता, सरगुजा के जिलाध्यक्ष केके गुप्ता, संभागीय अध्यक्ष बनारसी लाल गुप्ता, तहसील अध्यक्ष रामानुजनगर ब्रिजा राम साहू, प्रेमनगर जयराम साहू, सूरजपुर अशोक साहू, भैयाथान मणि प्रताप साहू, ओड़गी के अजय गुप्ता, प्रतापपुर रामप्रवेश गुप्ता युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सौरभ साहू सूरजपुर के नगर अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू लालजी साहू, संतोष साहू, बंसीलाल साहू, महेंद्र साहू, रमेश साहू, राम प्राण साहू, परसराम साहू, चंद्र प्रताप साहू राम शिरोमणि साहू ,शिवकुमार साहू ,देव मुनिया साहू,प्रमिला साहू, मनीष दीपक साहू रामा शंकर साहू, गंगा साहू, रमेश साहू युवा प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष प्रेमनगर, संतोष साहू आदि सैकड़ों की संख्या में साहू समाज के पदाधिकारी कार्यकर्ता और महिलाएं उपस्थित थी।

CMYK

क्या बुधरा नदी में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य

बिना आर एम सी प्लांट के घटिया और गुणवत्ता विहीन हो रहा है ?

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

शिकायत के बाद भी बिना आर एम सी प्लांट के 1819.03 लाख का पुल निर्माण कार्य ठेकेदार और छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ़ के अधिकारियों की साठ गांठ से धड़ल्ले से पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है?

» . देवाडाड से पेंडरी व्हाया मंगोरा मार्ग पर बन रहे पुल का हो रहा गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य निर्माण सामाग्री गुणवत्ता विहीन गिट्टी एवं ओवर साइज गिट्टी का उपयोग कर करोड़ों के लागत की पुल का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा मनमाने तरीके से धड़ल्ले से किया जा रहा है?

» . लोक निर्माण विभाग सेतु निगम संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ के अधिकारीओ के संरक्षण में ठेकेदार के द्वारा कराया जा रहा पुल निर्माण कार्य?

» . इस करोड़ों रुपए की लागत का पुल बिना आर एम सी प्लांट के निमित्त किया जा रहा है क्या इसकी गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह नहीं लग रहा है अगर भविष्य में किसी प्रकार की कोई जनमाल की हानि हुई तो क्या ठेकेदार या विभागीय अधिकारी जिम्मेदार होंगे?

» क्या इस करोड़ों के लागत के पुल निर्माण कार्य को क्वालिटी कंट्रोल के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य को कैसे निर्माण कार्य करने की अनुमति प्रदान कर दी इस पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है?

» . इस उच्चस्तरीय पुल की लम्बाई 425.00मी

कुल पाते (पीयर) 16 नग
कुल स्लैब 17 नग (प्रत्येक स्लैब की लम्बाई 25.00मी.) इतना लम्बा पुल ठेकेदार के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य किया जा रहा है जबकि शासन के सारे नियम शर्तों का क्या ये सेतु निगम के अधिकारियों को पता नहीं है क्या जो नियम शर्तों के तहत उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है वो सही है?

देवाडाड से पेंडरी व्हाया मंगोरा से जाने वाले मार्ग पर ग्राम पंचायत मंगोरा में बुधरा नदी में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य में लोक निर्माण विभाग सेतु निगम विभाग संभाग अंबिकापुर उपसंभाग मनेंद्रगढ़ के द्वारा नियम शर्तों को दरकिनार कर ठेकेदार के द्वारा विभाग के अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर 18.16 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन पुल में बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य को किया जा रहा है जो एक गंभीर जाच का विषय है? जो निर्माणाधीन पुल पर कई तरह के गुणवत्ता पर सवाल खड़ा कर रहा है ?

करोड़ों रुपए की लागत का उच्च स्तरीय पुल लोक निर्माण सेतु निगम विभाग के नियम शर्तों एवं मापदंडो के बिना पुल का निर्माण कार्य कैसे करा दिया जा रहा है ये सेतु निगम संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ़ पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है?

इस उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य में जो गिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है वह गिट्टी क्वालिटी कंट्रोल के एवं पुल निर्माण कार्य किए जाने के भी गुणवत्ता विहीन है एवं पुल निर्माण में जो कांक्रीट बिना आर एम सी प्लांट के तैयार किया जा रहा है उसे कैसे क्वालिटी कंट्रोल के द्वारा पास कर दिया गया होगा जबकि इस पुल निर्माण कार्य की जांच करने रायपुर कि टीम भी आई थी क्या उन्हें पुल निर्माण स्थल पर आर एम सी प्लांट नहीं दिखाई दिया इस करोड़ों की लागत का पुल निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार की पहुंच लम्बी होने के कारण किसी प्रकार की कोई कार्य वाही का ना होना कई शंकाओं को जन्म देता हैजब इस पुल निर्माण कार्य में जिस प्लांट और मशीनों से सामाग्री को तैयार कर गुणवत्ता और मापदंड पर निर्माण कार्य किया जा रहा है तो उसकी गुणवत्ता कितनी होगी ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है?

ये पुल निर्माण कार्य लोक निर्माण सेतु निगम विभाग के अधिकारियों के आंखों के सामने बिना आर एम सी प्लांट के उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य धड़ल्ले ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। तो इस उच्च स्तरीय पुल की गुणवत्ता क्या होगी ये बुद्ध जीवों के द्वारा सोचा और समझा जा सकता है कि कितनी गुणवत्ता से निर्माण कार्य किया गया होगा?।

गुणवत्ता विहीन 20 एम एम गिट्टी की जगह 25 एवं 30 एम एम गिट्टी का उपयोग जो किया गया है उस गिट्टी का उपयोग पुल निर्माण कार्य में नहीं किया जाना है मगर अधिकारियों और ठेकेदार की मिली भगत से कार्य पूर्ण किए निर्धारित दिनांक समाप्त होने के बाद भी ठेकेदार के द्वारा मनमाने ढंग से पुल निर्माण कार्य घटिया सामाग्री का उपयोग कर कंक्रीट कार्य किया जा रहा है।

करोड़ों की लागत के पुल का निर्माण कार्य बिना आर एम सी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट किया जा रहा है विभागीय अधिकारियों एवं राज्य स्तर से आई उच्च अधिकारियों की टीम के सामने पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है क्या सही निर्माण कार्य हों रहा है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि ठेकेदार के साथ उच्च स्तरीय अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से किया जा रहा है।

इस संबंध में लोक निर्माण सेतु निगम विभाग के कार्य पालन अभियंता ने इस पुल निर्माण कार्य में आर सी सी कंक्रीट निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट के बिना पुल का निर्माण कार्य नहीं किया जाना है ये सेतु संभाग अंबिकापुर के कार्य पालन अभियंता के द्वारा कहा जा रहा है।

इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य के साइड इंजिनियर जी आर कवर ने कहा कि पुल निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट के बिना कंक्रीट कार्य किया जा सकता है।

अब सवाल ये उठता है कि इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में विभागीय कार्य पालन अभियंता ने कहा कि बिना आर एम सी प्लांट के पुल निर्माण कार्य में कंक्रीट का कार्य नहीं किया जा सकता है ठेकेदार को निर्माण कार्य प्रारंभ से पहले आर एम सी प्लांट लगा कर ही कार्य करना है और एक तरफ पुल निर्माण कार्य के साइड इंजिनियर जी आर कवर कह रहे हैं कि बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य किया जा सकता है अब सवाल उठता है कि इस निर्माण कार्य में हो रही लापरवाही में उच्च अधिकारी के द्वारा दिए गए जानकारी को माने या साइड इंजिनियर जी आर कवर के द्वारा दी गई जानकारी को माने?

विभागीय एस डी ओ फोन उठाना मुनासिब नहीं समझते...

आपको बता दे की देवाडाड से पेंडारी व्हाया मंगोरा के बुधरा नदी में बन रही उच्च स्तरीय पुल में जिसे एस डी ओ के द्वारा निर्माण कार्य का निरीक्षण एवं निर्माण कार्य की गुणवत्ता की देखरेख करने की जिम्मेदारी है वो अधिकारी ना ही स्थानीय ग्रामीणों और अन्य लोगों का फोन ही उठाना मुनासिब नहीं समझते है?

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने नवनिर्मित तहसील कार्यालय दर्री का किया लोकार्पण

- संवाददाता -
कोरबा,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

दर्री में नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण राजस्व मंत्री के श्री जयसिंह अग्रवाल ने किया ढ्ढ इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत,महापौर राजकिशोर प्रसाद सहित समस्त कांग्रेस जिला पदाधिकारी,सदस्य,

अधिकारीगण एवं नागरीकगण उपस्थिति थे । लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि हमारी कांग्रेस सरकार ने इन साढ़े चार सालों में वह कर दिखाया, जो 15 सालों में भाजपा सरकार ने नहीं कि। उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार ने इन साढ़े चार सालों में 100 तहसीलें बनाकर पूरे देश में रिकार्ड कायम किया। आज तक किसी भी सरकार ने किसी भी प्रदेश में एक कार्यकाल में 100 तहसीलों का गठन नहीं किया। हमारा प्रदेश इस मामले में पूरे देश में एक मात्र ऐसा राज्य बन गया जो एक ही कार्यकाल में 100 तहसीलों का गठन किया गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि 85 तहसीलें अस्तित्व में आ चुकी हैं और हम शीघ्र ही शतक बनाएंगे। उन्होंने कहा कि दर्री क्षेत्र में काफी काम हुए हैं। तहसील कार्यालय खुलने के बाद लोगों को अब 50-50 किलोमीटर की यात्रा तय नहीं करनी पड़ती और अब तहसील कार्यालय खुल जाने के बाद एक बड़ी आबादी को राजस्व मामले में आसानी हुई है। अभी और कई कार्य होंगे और दर्री क्षेत्रवासियों को जन सुलभ सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि कुसमुंडा से सर्वमंगला नगर होते हुए नहर मार्ग को दर्री से जोड़ा जाएगा और शीघ्र ही इसके लिए एसईसीएल से 87 करोड़ की स्वीकृति मिलने वाली है। राशि स्वीकृत होते ही नहर मार्ग का फोरलेन सड़क निर्माण प्रारंभ हो जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं सांसद ज्योत्सना महंत ने तात्कालीन भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब शिशु का अच्छे से देखभाल होती है तो युवा स्वस्थ और विकसित होता है, लेकिन तात्कालीन भाजपा सरकार ने शिशु रूपी छत्तीसगढ़ में ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे छत्तीसगढ़ विकासशील बने और जनता की समृद्धि हुई हो। अब हम छत्तीसगढ़ की जनता की समृद्धि और प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। जनता ने हमें भरपूर आशीर्वाद दिया और हमें प्रतिनिधि बनाकर सेवा का अवसर दिया।

एडीएम वीरेन्द्र पाटले ने तहसील का प्रस्तावना बताया और कहा कि पुरानी तहसील कटघोरा से विभाजित होकर 11 नवंबर 2020 को दर्री तहसील अस्तित्व में आयी और इसका उद्घाटन 12 नवंबर 2020 को राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने किया, तब कार्यालय निगम के एक सामुदायिक भवन में अब तक संचालित था और आज श्री अग्रवाल के प्रयास से ही नया भवन लोकार्पित हो रहा है। दर्री तहसील में ग्रामों की संख्या 48 जिसमें 30 शहरी और 18 ग्रामीण क्षेत्र शामिल है। यहां की कुल जनसंख्या 67 हजार 78 है, जिसमें 25 पटवारी हल्का, 09 राजस्व निरीक्षक मंडल शामिल हैं। दर्री तहसील में 06 ग्राम पंचायतें भी शामिल हैं। दर्री तहसील के अंतर्गत 5, 778 हेक्टेयर भूमि, 8,661 खातेदार हैं। उन्होंने कहा कि अभी दर्री तहसील में सेटअप के अनुसार अधिकारी कर्मचारी पदस्थ नहीं हैं, लेकिन अटैचमेंट के जरिये हम पूरी तरह से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जनता की मांग पर सांसद ज्योत्सना महंत ने राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल की ओर ईशारा करते हुए कहा कि दर्री में एसडीएम कार्यालय भी होना चाहिए, ऐसे में राजस्व मंत्री ने घोषणा करते हुए दर्री क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी और कहा कि मुख्यमंत्री से इसके लिए शीघ्र ही घोषणा कराएंगे और क्षेत्र को बड़ी सौगात मिलेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में 35 अनुविभाग खुल चुके हैं और 36 वां दर्री में खुलेगा। उन्होंने कहा कि दर्री क्षेत्र अभी और विकसित होने वाला है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने यहां 1350 मेगावाट की विद्युत परियोजना की घोषणा की है। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेगें, व्यापार बढ़ेंगे, आबादी बढ़ेगी, ऐसे में एसडीएम कार्यालय भी अपरिहार्य हो जाएगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि लेमरू और मदनपुर में उपतहसील की घोषणा भी की गई है।

खेलो इंडिया लघु केन्द्र फुटबॉल हेतु खिलाड़ियों के चयन का ट्रायल प्रारंभ

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 04 मई 2023 (घटती-घटना)।

खेलो इंडिया लघु केन्द्र फुटबॉल हेतु खिलाड़ियों के चयन का ट्रायल बुधवार से प्रारंभ हुआ है। उक्त चयन ट्रायल 4 मई 2023 को पी.जी. कॉलेज के हॉकी मैदान में प्रातः 7:00 बजे से प्रारंभ हुआ है। यह प्रशिक्षण तीन दिनों तक चलेगा।

खेल एवं युवा कल्याण के सहायक संचालक ने बताया है कि बुधवार को अण्डर 16 वर्ष (30 अप्रैल 2007 से 30 अप्रैल 2008 के मध्य) का चयन ट्रायल किया गया इनका फाइनल चयन 6 मई 2023 को है। यदि कोई खिलाड़ी किसी कारण से ट्रायल (अण्डर-16) में सम्मिलित नहीं हो पाये हैं वे 05 एवं 06 मई 2023 को भी ट्रायल दे सकते हैं। 5 मई 2023 अण्डर 14 वर्ष (30 अप्रैल 2009 से 30 अप्रैल 2010 के मध्य) का चयन ट्रायल की जाएगी।

उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को पी.जी. कॉलेज के हॉकी मैदान में निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था लघु केन्द्र द्वारा प्रदान की जायेगी एवं चयनित होने वाले खिलाड़ियों को खेल सामग्री एवं गणवेश (स्पोर्ट्स किट) उपलब्ध कराया जायेगा। खिलाड़ियों को समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में सहभाग कराया जायेगा।

सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर 05 मई से ग्राम सभा का आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा,04 मई 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में जानकारी पर दावा-आपत्ति आमंत्रण व निराकरण हेतु जिले के सभी ग्रामों में 05 मई से विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभा में प्रगणक एवं सुपरवाईजर की उपस्थिति, सर्वेक्षण की सम्पूर्ण अद्यतन जानकारी, दावा-आपत्ति का निराकरण किया जाएगा। 05 मई से15 तक प्रगणक व सुपरवाइजर की उपस्थिति में ग्राम सभा का आयोजन, सर्वेक्षण की सम्पूर्ण अद्यतन जानकारी ग्रामसभा में प्रस्तुत करना, यदि कोई दावा-आपत्ति न हो तो जानकारी को ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित मान्य कर ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित विकल्प में सुपरवाईजर द्वारा अपलोड किया जाना, दावा आपत्ति प्राप्त होने पर उन्हें सुपरवाइजर के लिंक में दिए गए विकल्प से अपलोड करना तथा ग्राम सभा के कार्यवाही विवरण की प्रति अपलोड करने का कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार 15 मई से 18 मई तक दावा-आपत्ति वाले प्रकरणों का संबंधित प्रगणक की उपस्थिति में सुपरवाइजर द्वारा भौतिक रूप से निराकरण तथा दावा-आपत्ति के प्रकरणों के निराकरण का पंचनामा तैयार कर अपलोड करने का कार्य किया जाएगा। 18 मई से 25 मई तक दावा-आपत्ति वाले प्रकरणों में किए गए निराकरण के अनमोदन हेतु पुनः ग्राम सभा का आयोजन कर कार्यवाही पूर्ण करना एवं दावा आपत्ति के निराकरण हेतु दिए गए विकल्प में ग्राम सभा के कार्यवाही विवरण की प्रति के साथ अपलोड किया जाएगा।

बालको ने सुरक्षित कार्यस्थल के लिए अपनाया एआई-सक्षम तकनीक

- संवाददाता -
कोरबा,04 मई 2023
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने एचएसएसई मॉनिटरिंग के लिए टी-पल्स नामक लॉन्च किया है जो कार्यस्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करता है। प्रचालन के विभिन्न स्तरों पर स्मार्ट तकनीकों के अपनाए जाने से उत्पादकता में बढ़ोत्तरी तो हुई है साथ ही सुरक्षा संस्कृति को भी बढ़ावा मिला है।टी-पल्स एचएसएसई मॉनिटरिंग सिस्टम एक केंद्रीकृत एआई आधारित तकनीक है जो एकीकृत कैमरों के माध्यम से वास्तविक समय में संयंत्र के अंदर सुरक्षित कार्य की निगरानी करता है। इसकी मदद से निर्माण परियोजनाओं, शटडाउन और टर्नअराउंड में सुरक्षा जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए कैमरा, सेंसर, एज डिवाइस या ड्रोन डेटा पर बनाए गए सबसे व्यापक एआई मॉडल में से एक का उपयोग करता है। कैमरों की मदद से यह तकनीक संयंत्र को पूरी तरह से कवर करने और वास्तविक समय में असाधारण स्थितियों या खतरों का पता लगाता है। इस तकनीक से पीपीई, जॉब सेफ्टी/हैजर्ड कम्युनिकेशन, वर्क एट हाइट, कंफाइंड स्पेस, हाउसकीपिंग, ड्रॉप्ड ऑब्जेक्ट्स, लिफ्टिंग एंड होस्टिंग और ट्रैफिक इंटरफेरेंस एंड व्हीकल सेफ्टी जैसी जोखिमों की पहचान करता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण और सस्टेनिबिलिटी के विश्वस्तरीय मानदंडों का पालन करने के लिए कटिबद्ध है। टी-पल्स एचएसएसई मॉनिटरिंग के लॉन्च के साथ हमने 'शून्य क्षति, शून्य अपशिष्ट और शून्य उत्सर्जन' की नीति के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।कंपनी की सुरक्षा को पुख्ता बनाने की दिशा में अत्याधुनिक टी पल्स एचएसएसई मॉनिटरिंग एआई तकनीक को अपनाकर 'सुरक्षा प्रथम' कार्य संस्कृति की स्थापना में मदद मिली है। श्री कुमार ने कहा कि सभी की सहभागिता से हम बालको को औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में बुलंदियों पर ले जाएंगे।

बालको देश के उन उद्योगों में शामिल है जिसने अपने प्रचालन के विभिन्न क्षेत्रों में स्मार्ट तकनीकों अपनाने और कर्मचारियों की सुरक्षा और भलाई को सर्वोपरि रखने का कार्य किया है।कार्यस्थल पर सुरक्षा मानदंडों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए बालको को प्रतिष्ठित मैन्युफैक्चरिंग टुडे-रिइनवेंटिंग द फ्यूचर' पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए है। इसी कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी श्रेणी में विशेष जूरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।बालको को सुरक्षा डिजिटलीकरण पर 'सुरक्षा संकल्प कुटुंब' परियोजना के लिए 5वीं सीआईआई नेशनल सेफ्टी प्रैक्टिस प्रतियोगिता में %प्लेटिनियम विनर' घोषित किया गया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक1624 व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2023
बलरामपुर,दिनांक 01/05/2023

::निविदा निरस्तीकरण सूचना::

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदाएं अपरिहार्य कारणों से निरस्त किए जाते हैं।

स.क्रं.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्रं/दिनांक	जी क्रमांक
1	109691	61/17.09.2022	94381
2	109821	62/19.09.2022	94415
3	109822	62/19.09.2022	94415
4	109823	62/19.09.2022	94415
5	109828	62/19.09.2022	94415
6	109817	62/19.09.2022	94415

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर(छ.ग.)

जी-00825/2

कार्यालय अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा(छ.ग.)

Phone No.07774-297800 Email:-
deanmedicalcollegesurguja@gmail.com

क्रमांक/3438/क्रय/शा.चि.म./2023,अम्बिकापुर,दिनांक 28-04-2023

// निविदा//

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर,सरगुजा (छ.ग.) की ओर से 1.साफ-सफाई अन्य जनरल सामग्री,बिजली सामग्री एवं पलम्बर सामग्री 2.लेखन सामग्री के निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं से 1.साफ-सफाई अन्य जनरल सामग्री,बिजली सामग्री एवं पलम्बर सामग्री 2.लेखन सामग्री प्रदान करने हेतु पृथक-पृथक मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी महाविद्यालय के वेबसाईट http://www.gmcambikapur.co.in/में अवलोकन कर प्राप्त किए जा सकते हैं।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि- 05/06/2023 समय दोपहर 3 बजे तक ।
निविदा खोलने की तिथि - 05/06/2023 समय संध्या 4 बजे।

स्थान-राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-00824/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा एकल प्रणाली के तहत श्रेणी 'डी' एवं ऊपर के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में केवल स्पीडपोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है तथा नियत तिथि को उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे।

समय सारिणी:-
समय सारिणी:-
1. **निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि-22.05.2023(अपरान्ह 5:30 बजे तक)**
2. **कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि -23.05.2023(अपरान्ह 5:30 बजे तक)**
3. **निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि -24.05.2023(अपरान्ह 5:30 बजे तक)**
4. **निविदाएं खोलने की तिथि/ समय - 25.05.2023(पूर्वान्ह 11:30 बजे से)**

कार्य का विवरण:- Construction of broken Plateform work as per UNICEF type design at Block-Balrampur,Dist-Balrampur-Ramanujganj

निविदा सूचना क्रं.07 दि.01.05.2023 निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.750.00 है।

समूह क्रं.	विकासखण्ड	नलकूप की संख्या	अनुमानित लागत	धरोहर की राशि
1	बलरामपुर	50	456350	4000

निविदा की सामान्य शर्तें,धरोहर राशि,विस्तृत निविदा विज्ञप्ति,निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से निविदा प्रपत्र क य करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलरामपुर (छ.ग.)

जी-00859/1

शीर्ष स्थान पर दावा मजबूत करने के लिए भिड़ेंगी
राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस की टीमें

जयपुर,04 मई 2023। चार मई इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को अपने अगले मुकाबले में जब राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके घरेलू मैदान में उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली यह टीम कम स्कोर वाले अपने पिछले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से पांच रन से हार गयी थी। टीम 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है जबकि राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है।

संजू सैमसन की अगुवाई वाले राजस्थान रॉयल्स में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम लगातार जीत दर्ज करने में विफल रही है। पिछले छह मैचों में टीम तीन मुकाबलों में जीती है जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के साथ समस्या गेंदबाजी में अधिक है। टीम पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 212 रन के बड़े लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रही थी। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट, ऑलराउंडर जेसन होल्डर, स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप सेन ने उस मैच में खूब रन लुटाए थे। उन्हें शुक्रवार को घरेलू मैदान में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

रॉयल्स को इस बात से थोड़ी राहत मिल सकती है कि सत्र की शुरुआत में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की थी। राजस्थान की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले युवा यशस्वी जायसवाल के अलावा जोस बटलर, संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर की तिकड़ी अपने दम पर किसी भी मैच का पासा पलट सकती है। इस बल्लेबाजी इकाई को हालांकि मोहम्मद शमी और राशिद खान के नेतृत्व वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सतर्क रहना होगा। राजस्थान की टीम अगर इस

मैच को जीतती है तो टीम बेहतर नेट रनरेट (+0.800) के कारण तालिका में शीर्ष पर पहुंच जायेगी।

दूसरी ओर टाइटंस के बल्लेबाजों को दिल्ली के खिलाफ लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार लय में चल रहे शुभमन गिल और डेविड मिलर के विफल होने से टीम 130 रन के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही। कप्तान पंड्या ने अर्धशतक लगाकर टीम को आखिर तक मैच में बनाये रखा लेकिन उनकी और राहुल तेवतिया की तेज तर्रार पारी टीम के लिए काफी साबित नहीं हुई थी। टीम की गेंदबाजी हालांकि काफी मजबूत है जहां मोहम्मद शमी शानदार लय में है। स्पिन विभाग में राशिद और अफगानिस्तान के एक अन्य खिलाड़ी नूर अहमद शानदार प्रदर्शन कर रहे है।

टीमें:राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जम्पा। गुजरात टाइटन्सः हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा। मैच का समय : शाम 7.30 से।

हम कई दिनों से यह कोशिश कर रहे हैंः सात्विकसाईराज

नई दिल्ली, 04 मई 2023। एक नई अपरिवर्तनीय स्पिन-सर्व ने दुनिया के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों का ध्यान खींचा है और भारतीय युगल शटलर भी पीछे नहीं हैं क्योंकि वे इस नवीनतम कौशल में महारत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जो कई लोगों का मानना है कि अनुचित हो सकता है। खिलाड़ियों को फायदा।

डेनमार्क के डबल्स खिलाड़ी मार्कस रिंडशोज ने पिछले महीने पोलिश ओपन में इस अभिनव स्पिन सर्विस के साथ अंक अर्जित किए हैं, यह अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में एक रोष बन गया है, दुनिया भर के खिलाड़ी इस नई चाल को सीखने के लिए अपना हाथ आजमा रहे हैं।

भारत के युगल खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने कहा, हम कई दिनों से यह कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम इसका पता नहीं लगा सके।÷ हैदराबाद से पीटीआई को बताया, चिराग शेट्टी के साथ 5 की जोड़ी।

हमने दुबई में एशिया चैंपियनशिप से ठीक पहले इसका अभ्यास करना शुरू किया। कोच मथियास बो ने हमें हर रोज 30 से 40 मिनट तक अभ्यास करने के लिए कहा है क्योंकि हर कोई इसे कर रहा है। लेकिन यह सभी के लिए कठिन होगा। किसी ने डेनमार्क से शुरुआत की और अब सभी यूरोपीय खिलाड़ी यह कर रहे हैं।÷ तो यह नवीनतम स्पिन सर्व क्या है? यह एक प्रकार की सर्व है जिसमें शटलर शटलकॉक के कॉर्क को अपने अंगूठे और मध्य उंगली के बीच रखता है और रैकेट के साथ नेट पर भेजने से पहले कैरम स्ट्राइक गति के साथ इसे स्पिन करने की कोशिश करता है।

यह स्पिन सर्विस विपक्षी खिलाड़ियों के लिए एक मुट्ठी भर साबित हुई है, जिन्होंने इसे वापस भेजने के लिए संघर्ष किया है क्योंकि शटल मुड़ जाती है और नेट पर गिर जाती है।

भारत के युगल कोच अरुण विष्णु ने कहा कि इसमें महारत हासिल करना मुश्किल है लेकिन खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

उन्होंने कहा, ÷हम कोशिश कर रहे हैं लेकिन उस निरंतरता को हासिल करने में समय लगेगा। यह आसान नहीं है, वास्तव में यह बहुत मुश्किल है। उनमें से कुछ इसका अभ्यास कर रहे हैं, अगर वे सीख सकते हैं तो यह अच्छा होगा, यह फायदेमंद हो सकता है।

हमने खिलाड़ियों के साथ वीडियो साझा किए थे। मैंने भी इसे कई बार आजमाया था लेकिन 10 में से केवल दो बार ही सही कर पाया। इसलिए यह कठिन है। उम्मीद करते हैं कि उनमें से कुछ इसे सही कर लेंगे।÷ विश्व नं। 23 एमआर अर्जुन, जो इस समय एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में खेल रहे हैं, ने कहा कि इसे अंजाम देना मुश्किल है।

÷हम सभी शटल को पकड़कर और निष्पादन के साथ उस भावना को प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसे निष्पादित करना मुश्किल है क्योंकि हमें उस सटीक भावना की आवश्यकता है जब स्पिन करना है और शटल से संपर्क करना है। मुझे लगता है कि हम इसे लाने में सक्षम होंगे। मेरा खेल कुछ महीनों में। जबकि स्पिन कई वर्षों से प्रचलन में है, इस नए बदलाव का खेल पर प्रभाव पड़ सकता है, जिससे यह एक ही समय में ÷यादृच्छिक÷ और ÷उबाऊ÷ हो जाता है, सात्विक को लगता है।

÷यह खेलने योग्य नहीं है। हाल ही में एक कोरियाई व्यक्ति ने दुबई में एबीसी के दौरान इसका इस्तेमाल किया। उसने केवल सेवा करके 10-12 अंक प्राप्त किए। उन्होंने यह सेवा करना शुरू कर दिया और विपक्षी कुछ भी नहीं कर सके, वे बस खड़े थे और शटल उठा रहे थे, वे आक्रमण नहीं कर सकते, वे प्राप्त नहीं कर सकते। यह ऐसा था जैसे कुछ नौसिखिए खेल रहे हों। तो मुझे नहीं लगता कि यह एक अच्छा विचार है। मुझे लगता है कि यह एक अनुचित लाभ है, यह खेल से आकर्षण को दूर करेगा, यह इसे उबाऊ बना देगा।

हालांकि यह नवीनतम स्पिन सर्व अवैध नहीं है, लेकिन अगर यह बहुत अधिक अजेय हो जाता है, तो यह विश्व शासी निकाय बीडब्ल्यूएफ का ध्यान आकर्षित कर सकता है, जिसने खेल के संतुलन को सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर कदम उठाए हैं।

अब सभी की निगाहें 14 से 21 मई तक होने वाले सुदीरमन कप पर टिकी हैं क्योंकि खिलाड़ी इस नवीनतम सर्व को अपने फायदे के लिए आजमा सकते हैं।

चैम्पियन के तौर पर नीरज चोपड़ा दोहा चरण से सत्र का आगाज करेंगे

दोहा,04 मई 2023। डायमंड लीग चैंपियन के रूप में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के पहले चरण के मुकाबले के लिए जब मैदान में उतरेंगे तो उनके सामने एक बार फिर अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती होगी। इस लंबे सत्र का आगाज डायमंड लीग के दोहा चरण से हो रहा है और नीरज इसमें दमदार प्रदर्शन कर सत्र का शानदार आगाज करना चाहेंगे। विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले इस 25 साल के खिलाड़ी के सामने यहां के कतर स्पोर्ट्स क्लब में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वडलेजच जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी।

नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह 2018 में दोहा डायमंड लीग में अपनी इकलौती भागीदारी में 2018 में 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज पिछले साल 'समग्र फिटनेस और ताकत' की कमी के कारण यहां हिस्सा नहीं ले सके थे। वह पिछले सितंबर में ज्यूरिख में 2022 ग्रैंड फिनाले जीतने के बाद डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने। इससे एक महीने पहले वह लुसाने में डायमंड लीग मीट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज ने पिछले महीने कहा था कि वह उस समय शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर महसूस कर रहे हैं लेकिन पिछले साल यहां की बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सत्र के शुरुआती डायमंड लीग में शीर्ष पुरस्कार जीतना उनके लिए आसान नहीं होगा।

भारत के लिए एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज का लक्ष्य 90 मीटर की दूरी को छूना है। वह सत्र की पहली प्रतियोगिता में ऐसा करने में सफल होते है या नहीं यह देखना होगा। दोहा मीट में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में त्रिकूद चैंपियन एल्डहोज पॉल भी चुनौती पेश करेंगे। इस स्पर्धा में तोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेड्रो पिचार्डो , क्यूबा के डायमंड लीग विजेता एंडी डियाज हर्नांडेज और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण विजेता (2012 और 2016) और पांच बार के विश्व चैंपियन अमेरिका के क्रिश्चियन टेलर भाग ले रहे है। पॉल का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.99 मीटर है, ऐसे में उनके लिए शीर्ष तीन में जगह बनाना काफी मुश्किल भरा होगा। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों (बर्मिंघम) में हालांकि हवा की मदद से 17.03 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

पीएसजी को छोड़ सकते हैं लियोनेल मेस्सी

पेरिस , 04 मई 2023। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी इस सत्र के आखिर में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ अपना दो साल का अनुबंध खत्म होने के साथ फ्रांस के इस क्लब को छोड़ सकते हैं। इस घटनाक्रम से अवगत एक व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर एसोसिएट प्रेस को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया मेस्सी आपसी सहमति से इस क्लब को छोड़ रहे हैं। पीएसजी ने क्लब की अनुमति लिए बिना सऊदी अरब की यात्रा करने के लिए मेस्सी को निलंबित कर दिया था जिसके एक दिन बाद अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी के क्लब को छोड़ने की खबर सामने आई है। मेस्सी का सऊदी अरब में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्यपूर्व के इस देश के साथ व्यावसायिक अनुबंध है।

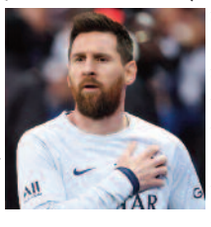

कयास लगाए जा रहे हैं कि वह इस सत्र के अंत में मोटी रकम पर सऊदी अरब के किसी क्लब से जुड़ सकते हैं। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि वह वापस बार्सिलोना लौट सकते हैं जहां उन्होंने अपने करियर का अधिकतर समय बिताया। उनके अमेरिका में मेजर लीग सॉकर में खेलने की भी चर्चा है।

उत्तम सिंह 23 मई से 1 जून तक ओमान में जूनियर एशिया कप हॉकी में भारत का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली, 04 मई 2023। पिछले साल जोहोर कप के सुल्तान को फिर से हासिल करने में भारत की मदद करने वाले युवा फारवर्ड उत्तम सिंह को गुरुवार को ओमान के सलालाह में 23 मई से 1 जून तक होने वाले आगामी जूनियर एशिया कप के लिए कप्तान बनाए रखा गया।

यह दिसंबर में मलेशिया में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट होगा।

भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे के साथ रखा गया है जबकि कोरिया, मलेशिया, ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान को पूल बी में रखा गया है।

उत्तर प्रदेश के करमपुर गांव से आने वाले, तेज और फुर्तीले उत्तम ने पिछले साल नवंबर में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में ऑस्ट्रेलिया पर ऑस्ट्रेलिया पर 5-4 से रोमांचक जीत के रूप में शूटआउट में दो बार मारा, जिसमें अचानक मौत भी शामिल थी।

विष्णुकांत सिंह और सुदीप चिरमाको ने भी 18 सदस्यीय टीम में अपना स्थान बरकरार रखा, जिन्होंने फाइनल में भारत के लिए गोल दागे थे।

उत्तम ने भुवनेश्वर में भारत के विश्व कप 2021 अभियान में भी भाग लिया, जहां उन्होंने अंतिम उपविजेता जर्मनी से हारने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बोबी सिंह धामी को उत्तम का डिप्टी नामित किया गया, जबकि मोहित एचएस और हिमवान सिहाग को गोलकीपर के रूप में चुना गया।

मिडफ़ील्ड अनुभवी विष्णुकांत सिंह को देखेगा जिन्होंने राउरकेला में हाल ही में आयोजित स्त्रढ्ढ॥ हॉकी प्रो लीग के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था।

उनके साथ राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी, अमनदीप और सुनीत लाकड़ा शामिल होंगे, जबकि बॉबी, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य लालगे, उत्तम, सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह को फॉरवर्ड लाइन में नामित किया गया था।

कोच सीआर कुमार ने कहा, ÷हमारे पास काफी अनुभवी टीम है और कुछ खिलाड़ियों ने हाल के टूर्नामेंट में सीनियर पदार्पण किया है।÷

÷हम दो तैयारी और दो प्रतियोगिता चक्रों से गुजरे हैं जिससे खिलाड़ियों को सही मात्रा में जोखिम हासिल करने में मदद मिली है।

कुमार ने कहा, ÷सीनियर टीम भी यहां साई, बेंगलुरू के इसी कैंप में रह रही है, इसलिए हमें उनके खिलाफ मैच खेलने का पर्याप्त अनुभव मिला। टीम उत्साहित है और हम शीर्ष पर पहुंचना चाहते हैं।

अंधाधुन की रीमेक बनाने की योजना बना रहे रोहित शेट्टी?

आयुष्मान खुराना की 2018 की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म अंधाधुन समीक्षकों और दर्शकों को खूब पसंद आई थी। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष्मान ने एक दृष्टिहीन व्यक्ति का किरदार निभाया था। वह वास्तव में दृष्टिहीन या इसका नाटक कर रहा है, इसका पता पूरी फिल्म देखने के बाद चलता है। अब खबर है कि रोहित शेट्टी इस फिल्म का रीमेक बनाने की योजना बना रहे हैं। इसको लेकर अन्य जानकारियां भी सामने आई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार रोहित शेट्टी अंधाधुन की रीमेक बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। इस फिल्म का नाम अंधाधूम होगा। रिपोर्ट्स की मानें तो अंधाधूम में रोहित की हर फिल्म की तरह कार चेजिंग सीन और एक्शन सीन की भरमार होगी। श्रीराम राघवन की फिल्म को रोहित के चश्मे से देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा। भले ही रोहित ने अभी फिल्म या स्टारकास्ट के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी न दी हो, लेकिन स्क्रिप्ट में अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण और अजय देवगन के नाम का जिक्र है। इसके मुताबिक, फिल्म में अक्षय एक पियानिस्ट की भूमिका निभाएंगे। अंधाधुन में आयुष्मान पियानिस्ट की भूमिका में नजर आए थे। उनके साथ फिल्म में दीपिका नजर आएंगी। फिल्म में अजय नकारात्मक भूमिका निभाएंगे। अजय और अक्षय को पर्दे पर साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

फिल्म के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा न होने से दर्शक यह भी कयास लगा रहे हैं कि ये जानकारी रोहित की फिल्म सिंघम अगेन की हो सकती हैं। सिंघम अगेन में अजय और दीपिका के होने की घोषणा हो चुकी है।

अंधाधुन 2018 में आई थी। फिल्म में आयुष्मान के साथ तब्बू और राधिका आप्टे मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। इस सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में तब्बू के किरदार का एक सच, आयुष्मान के किरदार की जिंदगी बदल देता है। इस रोमांचक फिल्म में हर पल एक नया मोड़ आता है। अंधाधुन नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है। इस फिल्म का तमिल और मलयालम में रीमेक बन चुका है। रोहित शेट्टी की पिछली फिल्म सर्कस पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म न समीक्षकों को पसंद आई थी और न ही दर्शकों को। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म फ्लॉप हो गई। सर्कस के बाद अब वह अपनी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स पर काम कर रहे हैं। अमेजन प्राइम की इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय नजर आएंगे। उनकी सिंघम अगेन भी चर्चा में है।

मल्टीकट आउटफिट में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर लगीं हुस्न की मलिका

जाह्नवी कपूर अपनी कातिलाना अदाओं और दिलकश अंदाज से हर किसी को अपना बनाने का हुनर रखती हैं। मिली फिल्म में उनके अभिनय ने फैंस को हैरान कर दिया। वहीं, सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली जाह्नवी कपूर कहर बरपा रही हैं। जाह्नवी कपूर ग्रीन कलर की मल्टी कट आउटफिट में अपने हुस्न का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। उनकी किलर तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही है। ओपन हेयर स्टाइल के साथ मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी खूबसूरती से अपने फैंस को रिझाना बखूबी जानती हैं। जाह्नवी कपूर ग्रीन कलर के आउटफिट में कई डिफरेंट अंदाज में पोज देती नजर आईं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर वायरल होते ही फैंस उनकी तस्वीर पर ढेरों कमेंट्स कर रहे हैं। खूबसूरती और किलर स्माइल के चलते फैंस के दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने बॉलीवुड में अच्छा मुकाम हासिल किया है। ज्यादातर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर एक बार फिर अपने कर्वी फिगर से फैंस की धड़कनें बढ़ाने का काम कर रही हैं। एक्ट्रेस जाहवी कपूर ने अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अगर जान्हवी की आगामी फिल्म की बात करें तो वो फिल्म %मिली% में नजर आ चुकी हैं। वहीं, वो अब वरुण धवन के साथ %बवाल% में नजर आएंगी।

बड़े बैनर छोड़ केजीएफ स्टार यश ने इस निर्देशक से मिलाया हाथ

केजीएफ के प्रशंसक अपने सुपरस्टार यश की अगली फिल्म की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उधर, यश अपना अगला प्रोजेक्ट साइन करने से पहले कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते और वह सोच-समझकर अपने लिए अच्छी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि केजीएफ की सफलता के बाद यश किसी बड़े निर्माता-निर्देशक संग काम कर सकते हैं, लेकिन खबर है कि यश ने निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ हाथ मिलाया है। खबर के अनुसार, गीतू मोहनदास और यश पिछलड्डे साल से ही एक प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रहे थे। जब गीतू अपने कॉन्सेप्ट के साथ यश के पास आईं, तो यश इससे काफी प्रभावित हुए। जहां हर कोई यश के भारतीय सिनेमा के किसी दिग्गज नाम के साथ साझेदारी की उम्मीद कर रहा था, वहीं यश ने अपने लिए ठोस स्क्रिप्ट को चुना है। वह मलयालम फिल्म जगत की सम्मानित निर्देशक के साथ हाथ मिलाने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अगले एक महीने के अंदर यश की नई फिल्म यश 19 की घोषणा हो सकती है। यश और गीतू के बीच बातचीत का अंतिम चरण चल रहा है और 15 दिनों में दोनों औपचारिकताएं पूरी कर सकते हैं। सबकुछ सही रहा तो जून में इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। इसे अगले साल रिलीज करने की योजना है। फिल्म की अन्य जानकारियों के लिए प्रशंसकों को इसके आधिकारिक ऐलान का इंतजार करना होगा। गीतू की बात करें तो वह मलयालम सिने जगत की जानीमानी नाम हैं। वह लायर्स डाइस और द एल्डर वन जैसी फिल्में बना चुकी हैं। गीतू 2 बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीत चुकी हैं।

CMYK

धमतरी-बालोद सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत

» शादी में जा रही पूरी फैमिली सड़क हादसे में हो गयी खत्म

» 5 चिताओं में जलाई गई 11 लाशें, गांव में पसरा मातम

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना पर शोक जताते हुए प्रति मृतकों के परिजनों के लिए 4 लाख की सहायता राशि घोषित किया

धमतरी/बालोद,04मई2023 (ए)। बालोद में बुलेरो कार ट्रक से टकरा गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और इसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई. इनमें से 10 एक ही परिवार के थे. मरने वालों में एक डेढ़ साल का बच्चा भी शामिल है. ये सभी लोग शादी में शामिल होने जा रहे थे. हादसा कांकेर नेशनल हाइवे पर जगतरा के पास हुआ. बताया जा रहा है कि परिवार धमतरी के सोरम गांव से बुलेरो में सवार होकर शादी में शामिल होने के लिए मरकाटोला जा रहा था. लेकिन बीच में ही एक्सीडेंट हो गया. हादसे में मरने वालों में दो बच्चे और 5 महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बुधवार रात ये हादसा हुआ. इस हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है. ये सभी लोग शादी में शामिल होने के लिए मरकाटोला जा रहे थे. टक्कर इतनी तेज थी कि 10 लोगों की मौत पर ही मौत हो गई. जबकि एक की अस्पताल के जाते वक्त जान चली गई. उन्होंने बताया कि सभी के शवों को अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. उधर, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घटना पर दुख जताया है. उन्होंने ट्वीट किया, अभी अभी सूचना मिली है कि बालोद के पुरूर और चारमा के बीच बालोदगहन के पास शादी कार्यक्रम में जा रही बोलेरो और ट्रक के बीच भिड़ंत में 10 लोगों की मौत हो गई है और बच्ची की स्थिति गंभीर है। ईश्वर दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं को शांति एवं उनके परिवारजनों को हिम्मत दे. घायल बच्ची के स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. मुख्यमंत्री ने दुर्घटना पर शोक जताते हुए प्रति मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपये की सहायता राशि दिये जाने की घोषणा की है।

मृतकों के नाम केशव साहू (34), डोमेश ध्रुव (19), टोमिन साहू (33), संध्या साहू (24), रमा साहू (20), शैलेंद्र साहू (22), लक्ष्मी साहू (45), धरमराज साहू (55), उषा साहू (52), योग्यांश साहू (3), ईशान साहू डेढ़ साल।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में साहू परिवार के 10 सदस्यों एवं डामेश ध्रुव की मृत्यु पर गहरा दुःख प्रकट किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बालोद जिले के पुरूर और चारामा के बीच बालोदगहन के पास बीती रात सड़क दुर्घटना में साहू परिवार के 10 सदस्यों एवं डामेश ध्रुव की मृत्यु की घटना पर गहरा दुःख प्रकट किया है।

शादी कार्यक्रम में जा रही बोलेरो और ट्रक के बीच में भिड़ंत से यह दुःखद घटना घटी। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिये हैं। साथ ही उन्होंने इस घटना में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की।

काम से निकाले गए कर्मचारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

» अंतिम सुनवाई तक हर महीने वेतन देने का निर्देश

बिलासपुर,04मई2023(ए)। काम से निकाले गए एक प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी को बिलासपुर हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने लेबर कोर्ट को 6 महीने की समय सीमा में मामले कि सुनवाई कर उचित निर्णय लेने के निर्देश दिए। साथ ही कर्मचारी को मामले की अंतिम सुनवाई तक हर महीने वेतन देने का आदेश जारी किया गया है। यही नहीं, कोर्ट ने कंपनी को मुकदमेबाजी के लिए 20 हजार रुपए कॉस्ट के रूप में भी देने का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2017 में एसबी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी) के खिलाफ लेबर कोर्ट रायपुर में अवैध छटनी से व्यथित होकर एक कर्मकार ने मामला दर्ज किया था।

कर्मकार सत्येंद्र सिंह राजपूत जो कि वर्ष 2008 से एसबी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित एक न्यूज चैनल में वीडियो एडिटर के पद पर भर्ती हुए थे, वे वर्ष 2017 में एसोसियेट प्रोडूसर के पद पर काम कर रहे थे।

लेबर कानूनों के विपरीत और बिना पूर्व नोटिस के उन्हें आकस्मात ही कंपनी से अवैध छटनी कर काम से निकाल दिया। लेबर कोर्ट ने वर्ष अक्टूबर 2022 में सत्येंद्र सिंह राजपूत की बहाली और सेवा समाप्ति दिनांक से सेवा में पुनर्स्थापित करने के दिनांक तक वेतन भत्ता और अन्य हितलाभ प्रदान करने का अधिनिर्णय घोषित किया था।

एसबी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लेबर कोर्ट के द्वारा घोषित अधिनिर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में रिट याचिका (लेबर) दायर किया। कंपनी ने सुनील ओटवानी और शोभित कोष्टा अधिवक्ताओं के मार्फत दायर की गई रिट याचिका में लेबर कोर्ट द्वारा घोषित अधिनिर्णय को खत्म कर, पुनः लेबर कोर्ट में अपना पक्ष रखने की प्रार्थना की थी।

अधिवक्तगण ने कोर्ट को यह बताया की अधिनिर्णय एक पक्षीय होने के कारण रद्द किए जाने योग्य है और उन्हें सुने बिना लेबर कोर्ट रायपुर द्वारा अधिनिर्णय घोषित कर दिया गया था। वहीं पीड़ित कर्मचारी की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता अनादि शर्मा ने पैरवी की।

अधिवक्ता श्री शर्मा नें कोर्ट में यह तर्क दिया कि याचिकाकर्ता कंपनी को पूर्व में लेबर कोर्ट द्वारा नोटिस दिया था। जिसके बाद कंपनी अपने अधिवक्ताओं के द्वारा, लेबर कोर्ट में 3 अलग तिथियों पर उपस्थित भी हुए थे, जिसके बाद कंपनी नें केस की सुनवाई में देरी करने के उद्देश्य से रणनीति के तहत लेबर कोर्ट में उपस्थिति देनी बंद कर दी थी।

छह महीने का दिया समय इस पर मामले की अंतिम सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश एनके व्यास के एकल पीठ में हुई। उच्च न्यायालय नें कोविड संक्रमण के बाद याचिकाकर्ता कंपनी को लेबर कोर्ट द्वारा पुनः नोटिस जारी कर केस की तिथि नहीं बताये जाने, अधिनिर्णय के पूर्व,दोनों पक्षों को नोटिस नहीं दिये जाने के कारण और न्यायहित में लेबर कोर्ट द्वारा घोषित एकपक्षीय अधिनिर्णय को रद्द करते हुए पुनः लेबर कोर्ट को दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देते हुए 6 महीने की समय सीमा में तय करने का निर्णय दिया। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय (एस. बी. मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड विरुद्ध सत्येन्द्र सिंह राजपूत) में याचिकर्ता को कर्मकार के हित में,जब तक लेबर कोर्ट पुनः मामले में अधिनिर्णय पारित नहीं करती, तब-तक हर महीने कर्मकार/सत्येन्द्र सिंह राजपूत को वेतन देते रहने का निर्देश पारित किया।

साथ ही न्यायालय नें कंपनी को निर्देश देते हुए मुकदमेबाजी के खर्च के रूप में 20 हजार रुपए कॉस्ट कर्मकार को दिये जाने का फैसला सुनाया। हाई कोर्ट बिलासपुर ने अपने इस फैसले को रिपोर्टिंग के लिए अनुमोदित भी किया है।

सीजीबीएसई के नतीजे इस तारीख को

» 95 फीसदी पूरी हुई कॉपियों की जांच

रायपुर,04 मई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन के छात्राओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि 15 मई तक सीजीबीएसई के नतीजे घोषित किये जा सकते हैं। बोर्ड परीक्षा के 95 फीसदी कॉपियों की जांच पूरी हो चुकी है। जिसके कारण बताया गया कि ष्टतन्त्रस्थ के 10वीं-12वीं के बोर्ड के नतीजे 15 मई तक घोषित किये जा सकते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस साल 10वीं में 3.38 लाख और 12वीं में 3.28 लाख छात्रों ने परीक्षा दी है। राज्य में इस बार 32 मूल्यांकन केंद्रों में कापियों की जांच हो रही है। 15 हजार से ज्यादा शिक्षक मूल्यांकन का काम कर रहे हैं। साथ ही बोर्ड परीक्षा की 95 फीसदी कॉपियों की जांच पूरी हो चुकी है। ऐसे में कहा जा रहा है कि 15 मई तक बोर्ड परीक्षा के नतीजे जारी हो सकते हैं।

गरीब परिवारों की बेटियों के लिए सहारा बनी नोनी सुरक्षा योजना

» अब तक 84 हजार से अधिक बेटियां हुई पंजीकृत

रायपुर,04 मई 2023 (ए)। गरीब परिवार में जन्म लेने वाली बेटियों के लिए नोनी सुरक्षा योजना बड़ा सहारा बन रही है। इससे परिवार की बेटियों के भविष्य को लेकर चिंता दूर हुई है। योजना के तहत गरीब परिवार की बेटियों को 18 वर्ष पूरा होने और 12वीं उत्तीर्ण होने पर एक लाख रूपए प्रदान किए जाते हैं। इसके लिए जीवन बीमा निगम एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मध्य अनुबंध किया गया है।

नोनी सुरक्षा योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा गरीब परिवारों की पंजीकृत बालिका के नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम में 05 वर्ष तक प्रति वर्ष 5 हजार रूपये अर्थात कुल 25 हजार रूपये जमा किए जाते हैं। अब तक भारतीय जीवन बीमा निगम में कुल 122.64 करोड़ की राशि कॉरपस फंड में विनियोजित की गई है। नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत अब तक 84 हजार 594 बालिकाओं का पंजीकरण किया गया है।

01 अप्रैल 2014 से ''नोनी सुरक्षा योजना'' हुई लागू

जनगणना वर्ष 2001 के आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में बाल लिंगानुपात प्रति हजार 975 था जो

कि जनगणना वर्ष 2011 में घटकर एक हजार के अनुपात में 969 हो गया। इस प्रकार राज्य में घटते बाल लिंगानुपात तथा बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच बढ़ाने के लिए 01 अप्रैल 2014 से ''नोनी सुरक्षा योजना'' लागू की गई। योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में बालिकाओं की शैक्षणिक तथा स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाना, बालिकाओं के अच्छे भविष्य की आधारशिला रखना, बालिका भ्रूण हत्या रोकना और बालिकाओं के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच लाना और बाल विवाह की रोकथाम करना है।

अधिकतम दो बालिकाओं को योजना के तहत लाभ

छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की 01 अप्रैल 2014 के बाद जन्मी अधिकतम दो बालिकाओं को योजना के तहत लाभ मिलता है। योजना के शुरू होने से शहरी क्षेत्रों के गरीब परिवारों के साथ दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में बसे परिवारों में भी बेटियों के भविष्य की चिंता दूर हुई है। योजना का लाभ लेने के लिए जिला स्तर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी और विकासखण्ड स्तर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

पहलवानों पर हमला, ये कैसा अमृतकाल

रायपुर,04मई 2023(ए)। घोटाले के चैम्पियनों से दोस्ती निभाई जा रही है, खेल के चैम्पियनों पर हमले हो रहे हैं। ये कैसा अमृतकाल है?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नई दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस के बीच हुए झड़प की खबर के बाद आज भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला करते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि यह कैसा अमृतकाल है, जिसमें घोटालों के चैम्पियनों से दोस्ती निभाई जा रही है और खेल के चैम्पियनों पर हमला किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कल देर रात जंतर मंतर में धरने पर बैठे पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बबीता फोगाट के साथ धरने पर बैठे अन्य पहलवानों पर पुलिसिया कार्रवाई देखने को मिली थी। इस पर पहलवानों ने आरोप लगाया था कि पुलिस वालों ने उनके साथ बदतमीजी, गाली गलौज के साथ मारपीट भी की है । मारपीट से 2 पहलवानों के सिर पर भी चोट आई है । इस मामले ने तूल पकड़ा और अब यह मामला राजनीतिक तूल पकड़ने लगा है।

अमन सिंह से फिर हुई पूछताछ

» पत्नी संग पहुंचे थे रायपुर ईओडब्ल्यू-एसीबी दफ्तर

रायपुर,04 मई 2023 (ए)। आय से अधिक संपत्ति के मामले मे पूर्व प्रमुख सचिव अमन सिंह से ईओडब्ल्यू-एसीबी दफ्तर में आज लंबी पूछताछ हुई. बताया जा रहा है कि इस दौरान अमन सिंह से मामले में कुछ दस्तावेजों के लिए नोटिस दिया गया है. आय से अधिक संपत्ति केस में पूर्व प्रमुख सचिव अमन सिंह को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद आज सुबह करीब साढ़े 10 बजे पत्नी यास्मिन सिंह के साथ ईओडब्ल्यू दफ्तर पहुंचे. बताया जा रहा है कि उनसे बिन्दुवार जानकारी ली जा रही थी. यही नहीं पूर्व प्रमुख सचिव से जिन दस्तावेजों की मांग की गई थी, उनके नहीं मिलने पर दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया है.बता दें कि पूर्व प्रमुख सचिव अमन सिंह और उनकी पत्नी को बिलासपुर हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति केस में अग्रिम जमानत तो दी है. लेकिन साथ ही हर महीने की 4 तारीख को अनिवार्य रूप से ईओडब्ल्यू दफ्तर में पूछताछ के लिए उपस्थित होने के आदेश भी दिए हैं.

बीजेपी के 40 कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

बिलासपुर,04मई2023(ए)। बिलासपुर में रोजगार दफ्तर का घेराव कर हंगामा मचाने वाले भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष समेत 40 कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। विरोध-प्रदर्शन के दौरान दफ्तर में घुस गए और अफसरों को गाली देने लगे। इस दौरान पुलिस के रोकने पर वर्दी फाड़ भी फाड़ दी, जिसके बाद जिला रोजगार अधिकारी ने मामले में शिकायत दर्ज करा दी।भाजयुमो नेताओं ने पुलिस पर चेहरा और माथा देखकर टीका लगाने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक एक तरफ कांग्रेसी समर्थक शहर में खुलेआम ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं और कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। दूसरी तरफ युवाओं के हित में प्रदर्शन करने पर टारगेट बनाकर कार्रवाई की जा रही है।जिला रोजगार अधिकारी अमरचंद पहारे पिता(54) ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते 2 मई को वे ऑफिस में स्टाफ के साथ काम कर रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 4 बजे भाजपा के निखिल केशरवानी, उपकार चंद्राकर, संस्कार सोनी, धनंजय गोस्वामी और उनके साथ 30-40 भाजपा कार्यकर्ता अनाधिकृत रूप से रोजगार ऑफिस में घुस गए। फिर जमकर नारेबाजी करते हुए गाली देने लगे। उन्हें मना किया गया फिर भी नहीं माने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने धारा 294, 451, 147, 149, 186 के तहत केस दर्ज किया है।

जब मुख्यमंत्री बघेल को बच्चे ने दी गाली

» तो सीएम ने सोशल मीडिया में डाल दिया वीडियो

» कहा उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ...

रायपुर,04 मई 2023 (ए)। बजरंग दल के प्रदर्शनकारी युवक का वीडियो वायरल हुआ था जिसमे वह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्हें गालिया दे रहा था। खुद सीएम बघेल ने यह वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था की ÷भगवान राम का नाम लेने से परहेज कर रहा ये बच्चा मुझे गाली दे रहा है। यह बजरंग दल का सदस्य है। धर्म की आड़ में इन लोगों ने हमारे बच्चों को क्या बना दिया है देखिए। मैं इस बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। ईश्वर सभी बच्चों को हनुमान जी की तरह ज्ञानवान और बलवान बनाए। ÷ वही इस घटना के बाद इसके विरोध में कांग्रेसी भी उतर आएं हैं। उन्होंने सीएम को गाली दिए जाने के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने बजरंगियों के सद्बुद्धि के लिए सुंदरकांड पाठ शुरू कर दिया हैं। राजीव चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी एकत्र होकर सुंदरकांड का पाठ कर रहे हैं।

पॉवर कंपनी में 71 पदों पर भर्ती आदेश जारी

डाटा एंट्री आपरेटर सीधी भर्ती के 400 पदों के लिये दस्तावेज परीक्षण होगा जल्द

रायपुर,04 मई 2023 (ए)। राज्य शासन के निर्देश का तत्काल अनुपालन करते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 70 पदों पर भर्ती आदेश जारी कर दिये हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भर्ती प्रक्रिया रूकी हुई थी, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिर से भर्ती सूची प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश 4 मई को राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किये। जिसके अनुपालन में आज ही डाटा एंट्री आपरेटर और जूनियर इंजीनियर के नियुक्ति आदेश जारी कर दिये गए हैं। अभियंता(मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि डाटा एंट्री आपरेटर के विभागीय आवेदकों में से 40 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिये गए हैं। इसमें डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 31, ट्रांसमिशन कंपनी के पांच और जनरेशन कंपनी के चार अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किये गए। इसी तरह जूनियर इंजीनियर की सीधी भर्ती के 31 पदों के भर्ती आदेश भी जारी कर दिये गए हैं। इनमें आईटी, इलेक्ट्रानिक्स व कंप्यूटर साइंस ब्रांच के अभ्यर्थी शामिल हैं। साथ ही डाटा एंट्री आपरेटर के 400 पदों पर भर्ती शीघ्र पूरी कर ली जाएगी। इसके लिये दस्तावेजों के परीक्षण के लिये प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के 12489 पदों पर होगी सीधी भर्ती, सीएम बघेल के निर्देश के बाद विज्ञापन जारी

छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के 12489 पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने विज्ञापन जारी कर दिया है। इसके अंतर्गत सहायक शिक्षकों के 6285, शिक्षकों के 5772 और व्याख्याता के 432 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 6 मई से आवेदन किए जा सकेंगे। व्यापमं द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

वन विभाग में सहायक ग्रेड-3 के 19 पदों में नियुक्ति आदेश जारी

रायपुर,04 मई 2023 (ए)। राज्य सरकार के निर्देश पर त्वरित अमल करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा सहायक ग्रेड-3 के 19 पदों पर भर्ती आदेश जारी कर दिए गए है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा भर्ती के संबंध में आवश्यक निर्देश सभी विभागों को दिए गए है। इस संबंध में प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ अनिल राय ने बताया कि इसके अनुपालन में संघ द्वारा सहायक ग्रेड-3 के पद पर आज 04 मई को नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए है। इनमे आकाश सिंह राजपूत, चंद्रशेखर वर्मा, नारायण दत्त, तथा राहुल कुमार वर्मा को छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ नवा रायपुर अटल नगर में नियुक्त किए गए है। इसी तरह अभिनेष खरे को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ, जगदलपुर, विरेन्द्र वर्मा को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ, नारायणपुर, मधुलिका साहू को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कांकेर, श्वेता साहू को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ, केशकाल तथा, सुजीत कुमार को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ, बीजापुर में नियुक्त किए गए है। अशोक कुमार एक्का को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ बलरामपुर, तेजबहादुर सिंह को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ सूरजपुर, राजू सिंह को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मनेन्द्रगढ़ तथा योगेश मार्को को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कोरिया में नियुक्त किए गए है। इसी तरह टिकेश्वर को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ सुकमा, पार्वती को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ बिलासपुर तथा ललिता भगत को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ जशपुर में नियुक्त किए गए है। चिरंजीव कुमार को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कोरबा, चिरंजीव सोनवानी को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कटघोरा तथा विजयेन्द्र महिलाने को जिला लघु वनोपज सहकारी संघ धरमजयगढ़ में नियुक्त किए गए है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)